जीवन दर्शन

दैनिक
ग्लोबल हेराल्ड

LOCAL TO GLOBAL

महानगर संस्करण

गुरुवार 25 अप्रैल, 2024 | वर्ष - 13, अंक 74 | » इंदौर-भोपाल से प्रकाशित » पेज 6 » मूल्य ₹ 2.00

www.globalherald.news

आप आराम की जिंदगी जीना चाहते हैं तो कुछ परेशानी तो उठानी ही पड़ेगी।
– एबिगैल वैन ब्यूरेन

चहल को नहीं शामिल करने का दुख हमेशा रहेगा : हेसन

पेज -6 पर

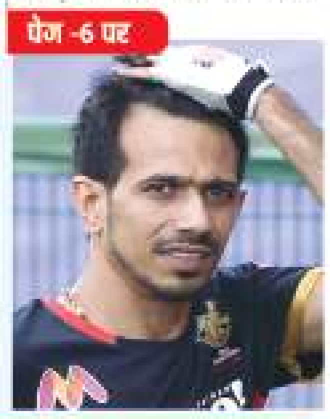

हाथ में कमल, चेहरे पर खिली मुस्कान, 'अबकी बार 400 पार' पर टिकीं निगाहें

भोपाल। मप्र की राजधानी भोपाल में आधा घंटे के रोड-शो में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भले ही कुछ नहीं बोले, पर उनकी आंखों पर भरोसा, चेहरे की मुस्कान और अभिवादन का तरीका बहुत कुछ बयां कर रहा था। रोड-शो में उनकी निगाहें बहुत देर तक महिलाओं के उस समूह पर टिकी रहीं, जिनके हाथ में 'अबकी बार 400 पार' की तख्तियां थीं।

मालवीय नगर तिराहे से अपेक्स बैंक तिराहे तक 1.2 किमी के रोड-शों में सड़क की दोनों ओर उमड़ी भीड़ का वह अलग-अलग अंदाज में अभिवादन करते नजर आए। कभी बाएं हाथ में तो कभी दाएं हाथ में बीजेपी लिखे कमल के निशान को घुमाते रहे। उत्साहित भीड़ को देख कभी उन्होंने पूरा हाथ उठाकर अभिवादन किया तो दो बार हाथ जोड़े। खुले रथ में उनकी बायीं ओर भोपाल से भाजपा प्रत्याशी आलोक शर्मा तो दायीं ओर मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव थे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा भी रथ में थे। रोड-शो शाम 7.15 से 8.15 बजे तक होना था, पर 7.40 बजे शुरू होकर 8.10 बजे यानी आधे घंटे में खत्म हो गया। उल्लेखनीय है कि भोपाल में सात मई को मतदान होना है। मोदी का यह प्रदेश में दूसरा रोड-शो था। इसके पहले जबलपुर में सात अप्रैल को उन्होंने रोड शो किया था।

भगवामय रहा पूरा दृश्य - प्रधानमंत्री भगवा रंग की जैकेट पहने हुए थे। गले में भाजपा का गमछा था। सड़क की दोनों ओर लगे बैरिकेड्स को भी भगवा कपड़े से सजाया गया था। कागज की भगवा पत्तियों से उनका जगह-जगह स्वागत किया गया। कुछ जगह महिलाओं का समूह दूर से उनकी आरती उतारते दिखा। यहां युवाओं की सबसे अधिक भीड़ रही, पर महिलाओं की संख्या भी कम नहीं थी।

मुस्लिम युवकों को देखकर प्रत्याशी आलोक शर्मा ने मोदी को इशारा किया तो उन्होंने देर तक हाथ हिलाकर युवकों का अभिवादन किया।

गृहमंत्री अमित शाह 26 अप्रैल को राजगढ़ आएंगे

भोपाल। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह 26 अप्रैल को राजगढ़ आएंगे। इस दौरान वे भाजपा प्रत्याशी रोड़मल नागर के समर्थन में खिलचीपुर के स्टेडियम ग्राउंड पर दोपहर 12 बजे जनसभा को संबोधित करेंगे। गृहमंत्री की सभा को लेकर तैयारियां शुरू हो गई है। भाजपा के जिला अध्यक्ष ज्ञान सिंह गुर्जर ने बताया कि गृहमंत्री अमित शाह 26 अप्रैल को दोपहर 12 बजे हेलिकॉप्टर से खिलचीपुर आएंगे। जिसको लेकर तैयारियां चल रही हैं, मेला ग्राउंड पर हेली पेड बनाया गया है। जहां गृहमंत्री उतरेंगे और यह से सीधे वो कार से स्टेडियम ग्राउंड में कार्यक्रम स्थल पहुंचेंगे। यह वो 1 से डेढ़ घण्टे रुकेंगे, इस सभा के मंच से गृहमंत्री भारतीय जनता पार्टी के यशस्वी नेतृत्व वाले नरेंद्र मोदी के ऐतिहासिक ,साहसी कदम जो उन्होंने उठाए है, राष्ट्र को मजबूत बनाने के लिए उन सारे विषयों पर अपनी बात रखेंगे और भाजपा प्रत्याशी रोड़मल नागर को प्रचंड बहुमत से जीत दिलवाने के लिए जनता से आव्हान करेंगे।

मंच पर भाषण देते समय चक्कर खाकर गिरे गडकरी

नागपुर। लोकसभा चुनाव को लेकर चुनावी प्रचार अपने चरम पर है। एक ओर विपक्ष की भूमिका में कांग्रेस सहित सपा व बाकी राजनीतिक दल के नेता लगातार चुनावी सभाएं कर रहे हैं। वहीं दूसरी तरफ बीजेपी के भी कद्दावर नेताओं ने मोर्चा संभाला हुआ है। इसी क्रम में बुधवार केंद्रीय मंत्री और बीजेपी नेता नितिन गडकरी महाराष्ट्र के यवतमाल में चुनावी सभा को संबोधित करने पहुंचे थे। मगर वहां कुछ ऐसा हुआ जिसने सभी को हैरान के साथ परेशान कर दिया। खबर है कि, मंच पर भाषण देते समय गडकरी की तबियत अचानक बिगड़ गई और वे मंच पर ही गिर पड़े। इस बीच लोगों ने उन्हें उठाकर इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया। हालांकि कुछ ही देर बाद गडकरी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म ह्यएक्सह्न पर पोस्ट कर अपने स्वास्थ्य से जुड़ी जानकारी शेयर की है। उन्होंने बताया कि, ह्नतेज धूप और बढ़ती गर्मी के वजह से उन्हें असहज महसूस हुआ, लेकिन अब वह पूरी तरह से स्वस्थ महसूस कर रहे हैं। दरअसल, गडकरी प्रचार-प्रसार और चुनावी सभा को संबोधित करने के लिए यवतमाल पहुंचे थे। जहां उन्होंने चुनावी जनसभा में मौजूद कार्यकर्ताओं और समर्थकों को संबोधित करना शुरू किया। तभी भाषण के बीच में अचानक उनकी तबियत बिगड़ गई और वे मंच पर ही चक्कर खा कर गिर गए। गनीमत ये रही कि उन्हें कोई चोट नहीं लगी।

मणिपुर में फिर हुई झड़प दो गुटों के बीच जमकर हुई फायरिंग

इंफाल। बीते कई महीनों से मणिपुर में हिंसा थमने का नाम नहीं ले रही है। वहां आए दिन झड़प होती है तो कभी गोलीबारी हो जाती है। बीते रोज भी दो गुटों के बीच हिंसा हुई और दोनो तरफ से जमकर फायरिंग की गई। स्थानीय लोगों ने वहां से भागकर अपनी जान बचाई और सुरक्षित जगह पर जाकर शरण ली।

इम्फाल पश्चिम जिले के अवांग सेकमाई और उसके पड़ोसी गांवों में दो प्रतिद्वंद्वी समुदायों के ग्रामीण स्वयंसेवकों के बीच गोलीबारी हुई। इस घटना में अब तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। स्थिति को नियंत्रण में करने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के नेतृत्व में सुरक्षा बल मौके पर पहुंच गया है। बता दें कि पहले चरण में 19 अप्रैल को आंतरिक मणिपुर के साथ बाहरी मणिपुर (एसटी) संसदीय क्षेत्र के लिए 28 विधानसभा क्षेत्रों में से 15 में मतदान हुआ था। बाहरी मणिपुर सीट के लिए शेष 13 विधानसभा क्षेत्रों में दूसरे चरण में शुक्रवार को मतदान होगा। वहीं दूसरी तरफ मणिपुर हिंसा को देखते हुए पुलिस कर्मियों ने तनावग्रस्त इलाकों में ड्यूटी करने से इनकार करने की खबर है। मैतेई समुदाय के पुलिस कर्मियों ने इंफाल में प्रदर्शन करते हुए कहा कि हम सब यहां असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।राज्य के आदिवासी बहुल पहाड़ी इलाकों में ड्यूटी करना उनके लिए जोखिम भरा होगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से उन्हें किसी अन्य स्थान पर चुनाव ड्यूटी पर तैनात करने का आग्रह किया।

उत्तराखंड में 24 घंटे में जंगलों में आग की 46 घटनाएं

मुख्य सचिव ने दिए घटनाएं रोकने में तेजी लाने के निर्देश

देहरादून। उत्तराखंड में बढ़ते तापमान के साथ जंगलों में आग लगने की घटनाओं में पिछले 24 घंटों में 46 घटनाएं हुई जिसमें 53.15 हेक्टेयर जंगल जलकर खाक हो गया। वन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, इससे 1,09,700 रुपये की आर्थिक क्षति का आंकलन किया गया है। प्रदेश में एक नवंबर, 2023 से लेकर 23 अप्रैल 2024 तक आग की अब तक 477 घटनाएं सामने आई हैं, जिनमें 570.07 हेक्टेयर जंगल जलकर राख हो गया और 12,40,151 रुपए का आर्थिक नुकसान पहुंचा है। मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने मंगलवार को स्थिति की समीक्षा की तथा अधिकारियों को इसे रोकने के उपायों में तेजी लाने के निर्देश दिए। बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए सभी जिलाधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक तथा वन अधिकारी शामिल हुए जबकि पुलिस महानिदेशक अभिनव कुमार, प्रमुख सचिव आर.के. सुधांशु और रंजीत कुमार सिन्हा मौजूद रहे।

आज और कल 35 जिले भीगेंगे; भोपाल, इंदौर, ग्वालियर-जबलपुर में भी बारिश

मप्र में 2 दिन बारिश, ओले-आंधी का अलर्ट

भोपाल। मध्यप्रदेश में अगले 2 दिन यानी 26 अप्रैल तक बारिश, आंधी और ओले का अलर्ट है। 25 और 26 अप्रैल को करीब 35 जिलों में मौसम बदला रहेगा। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन समेत पूरा मालवा-निमाड़ भी भीगेगा। इससे पहले मंगलवार को छिंदवाड़ा समेत कई जिलों में बारिश हुई। छिंदवाड़ा में ओले भी गिरे। इससे दिन के टेम्प्रेचर में गिरावट भी हुई है। मौसम विभाग के अनुसार वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ), साइक्लोनिक सकुर्लेशन और ट्रफ लाइन की वजह से प्रदेश में ऐसा सिस्टम है। लगातार 5 दिन से बारिश हो रही है। छठवें दिन बुधवार को भी मौसम ऐसा ही रहेगा। भोपाल, इंदौर, उज्जैन समेत 17 जिलों में बारिश होने का अनुमान है।

बारिश के बीच मंगलवार को कई जिलों में गर्मी का असर भी देखने को मिला। खरगोन में टेम्प्रेचर सबसे ज्यादा 41.2 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं, नरसिंहपुर में पारा 41 डिग्री रहा। खंडवा, खजुराहो, नौगांव और रीवा में पारा 40 डिग्री के पार पहुंच गया। बड़े शहरों की बात करें तो भोपाल में 38.9 डिग्री, इंदौर में 38.4 डिग्री, ग्वालियर में 39.5 डिग्री, जबलपुर में 38.3 डिग्री और उज्जैन में पारा 38 डिग्री दर्ज किया गया। पचमढ़ी सबसे ठंडा रहा।

26 अप्रैल से एक और वेस्टर्न डिस्टरबेंस

सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि बीते 24 घंटे में कई जिलों में बारिश हुई है। पूर्वी-पश्चिमी दोनों ही हिस्सों में मौसम बदला रहा। वर्तमान में वेस्टर्न डिस्टरबेंस, साइक्लोनिक सकुर्लेशन और ट्रफ लाइन गुजर रही है। 26 अप्रैल को पश्चिमी भारत से एक और वेस्टर्न डिस्टरबेंस आ रहा है। इस कारण अगले कुछ दिन तक प्रदेश में बारिश जारी रहेगी।

27 अप्रैल को बादल छाएंगे

27 अप्रैल को प्रदेश में बारिश होने का अभी अलर्ट नहीं है, लेकिन बादल छाए रहेंगे। इनमें आगर-मालवा, राजगढ़, गुना, खरगोन, खंडवा, बुरहानपुर, हरदा, बैतूल, नर्मदापुरम, रायसेन, पांढुर्णा, छिंदवाड़ा, नरसिंहपुर, सागर, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, दमोह, जबलपुर, डिंडोरी, मंडला और बालाघाट जिले शामिल हैं।

व्यंग्य : टेस्ट में बेस्ट मसालें : करा रहे बेड रेस्ट ..?

ग्लोबल हेराल्ड
न्यूज एनालिसिस
GHNA
दिलीप शर्मा
(वरिष्ठ पत्रकार)

असली मसाले सच, सच... एम डी एच...', 'टेस्ट में बेस्ट... मम्मी और एवरेस्ट.? ऐसे स्लोगन के साथ विज्ञापन करने वाली ये दोनों बड़ी कम्पनियां लोगों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ कर लोगों को घातक बीमारियां देकर हॉस्पिटल में बेड रेस्ट को मजबूर कर रही हैं. लम्बे अरसे बाद ये कम्पनियां घातक एथिलीन ऑक्साइड केमिकल की अधिक मिलावट के कारण जांच के दायरे में आ गई हैं. हांगकांग के बाद सिंगापुर में प्रतिबन्ध के बाद भारतीय खाद्य सुरक्षा विभाग सक्रिय हुआ है और देश भर से सैंपल लिए जा रहे हैं.

अमिताभ, शाहरुख व अन्य की मर्जी से मत खाओ - पियो..!

बॉलीवुड स्टार अमिताभ बच्चन, शाहरुख खान, सलमान खान, अक्षय कुमार आदि को छोड़ो, इन्हें पैसे कमाना है और इसके लिए इन्हें घातक मसालों, मैगी आदि के साथ ही गुटखा एवं स्वास्थ्य के लिए घातक सॉफ्ट ड्रिंक के प्रचार से कोई परहेज नही है. करोड़ों कमाने वाले ये स्टार क्या आम जनता की बीमारी पर पैसा खर्च करते हैं.. जवाब नही है फिर जनता व्यर्थ फैन ना बने वरना बिस्तर पर पड़े रहने पर चैन छिन जाएगा.. ?टेस्ट ऐसा जो घर बुलाए जल्दी स्लोगन आधार पर बॉलीवुड स्टार अमिताभ बच्चन व शाहरुख खान तो एवरेस्ट मसाले का प्रचार करते अक्सर दिखते हैं लेकिन घातक केमिकल एथिलीन ऑक्साइड की जो अधिक मात्रा आप खा रहे है उससे स्लोगन बदल गया है ? टेस्ट ऐसा जो अस्पताल भेजे जल्दी ?लोग लगातार इस केमिकल के संपर्क में रहते हैं या सेवन करते हैं तो इससे आंखों, त्वचा, नाक, गले और फेफड़ों में जलन हो सकती है. ये दिमाग और नर्वस सिस्टम को भी नुकसान पहुंचा सकता है.अमेरिका की एन्वायर्नमेंटल प्रोटेक्शन एजेंसी ईपीए के मुताबिक, एथिलीन ऑक्साइड के संपर्क में आने से महिलाओं में लिम्फॉइड कैंसर और ब्रेस्ट कैंसर का खतरा कहीं ज्यादा बढ़ जाता है।

बाबा ही नहीं सुप्रीम कोर्ट को मालूम है : डॉक्टर भी क्या करते हैं.. ?

सुप्रीम कोर्ट की नजर बाबा रामदेव व आचार्य बाल कृष्ण पर ही नही अपितु इंडियन मेडिकल एसोसिएशन से जुड़े डॉक्टरों पर भी है और इसका प्रमाण है कि बाबा रामदेव की 23 अप्रैल को पेशी के दौरान जहां बाबा को बड़े विज्ञापन में सार्वजनिक माफी मांगने की चेतावनी दी वहीं याचिका दायर करने वाले आईएमए को भी साफ कहा, हमें मालूम है डॉक्टर महंगी व गैर जरूरी दवाइयां लिखते हैं, इसके साथ ही कोर्ट ने सुनवाई का दायरा बढ़ाते हुए एफएमसीजी कम्पनियों को भी शामिल कर लिया, जो भ्रामक विज्ञापन करती हैं.कोर्ट ने केंद्र सरकार और राज्य की लाइसेंसिंग अथॉरिटी से कहा कि वे भ्रामक विज्ञापनों से निपटने के लिए खुद को सक्रिय करें.पीठ ने कहा कि प्रिन्ट और इलेक्ट्रानिक मीडिया में जारी होने वाले भ्रामक विज्ञापनों को देखते हुए जरूरी हो जाता है कि मामले में उपभोक्ता कल्याण मंत्रालय, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय व सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय को पक्षकार बनाया जाए जो ड्रग एवं मैजिक रेमेडी एक्ट, ड्रग एवं कास्मेटिक एक्ट व कंस्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट का उल्लंघन देखें.खैर अब 7 मई को सुनवाई होगी.

खरगोन में बोले मप्र के सीएम डॉ मोहन यादव

कांग्रेस देश के टुकड़े करवाने वाली पार्टी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव बुधवार को खरगोन लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा प्रत्याशी गजेंद्र सिंह पटेल के नामांकन में शामिल हुए। उसके बाद जवाहर मार्ग पर सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कांग्रेस को देश के टुकड़े करवाने वाली पार्टी बताया। उन्होंने लोगों से कहा कि श्रीकृष्ण जैसे सुदर्शन चक्र 13 मई को घुमाना और कांग्रेस के आतंक का अंत करना।

सीएम ने विपक्ष पर निशाना साधते कहा कि उन्हें रोज एक ही व्यक्ति दिखता है और कोई नहीं मिलता। वह नरेंद्र मोदी को पानी पी पीकर रोज गाली देते हैं। सोनिया गांधी इसलिए गाली देती है कि राहुल को पीएम नहीं बनने दे रहे हैं। इसका हम क्या करें भाई। वह अपने परिवार से बाहर बाहर नहीं आ रही हैं। उनको अपने राहुल व प्रियंका के अलावा कुछ दिखता नहीं। लालू यादव इसलिए गाली बकते हैं कि उनके तेजस्वी को नहीं बनने दे रहे हैं। ममता इसलिए बोलती हैं कि भतीजे को आगे नहीं आने दे रहे हैं। पूरा खानदान अपने खानदान को आगे बढ़ाने निकला है लेकिन नरेंद्र मोदी ने कहते हैं देश के 142 करोड़ मेरा खानदान हैं। वह मेरे परिवार के लोग हैं।

हमने किसी रंग से नफरत नहीं की

सीएम ने कहा कि अब भगवा कलर। क्या मालूम भगवा से उन्हें क्या आपत्ति है। इनकी क्या दुश्मनी है। हमने किसी रंग से नफरत नहीं की लेकिन उनके मन में तो पता नहीं, क्या चश्मे में जुड़ा हुआ है। दूरदर्शन वालों ने अपने प्रतीक चिन्ह में भगवा क्या ले लिया है। भगवा की छाती पीट रहे हैं। उनकी छाती पर सांप लौट रहा है।

जल संरक्षण के लिए कदम नहीं उठे तो मध्य प्रदेश भी हो जाएगा बे -पानी

आईआईएसटी समूह में 'भारत के जलपुरुष' डॉ. राजेंद्र सिंह, का व्याख्यान

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

पानी के मामले में मध्य प्रदेश भी डेंजर जोन में है अगर जल संरक्षण के लिए ठोस खत्म नहीं उठाए गए तो मध्य प्रदेश भी बे पानी होकर उसे स्थिति में पहुंच जाएगा जिस स्थिति में राजस्थान था । ग्लोबल वार्मिंग के दौर में धरती को बुखार है और मौसम का मिजाज भी बिगड़ा हुआ है।

उपरोक्त विचार भारत के जलपुरुष डॉ राजेंद्र सिंह ने आई आई एस टी कॉलेज में जल संरक्षण पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किये। रेमन मैग्सेसे पुरस्कार, स्टॉकहोम जल पुरस्कार और जमनालाल बजाज पुरस्कार सहित कई पुरस्कारों के प्राप्तकर्ता डॉ. राजेंद्र सिंह ने सत्र के दौरान अपने ज्ञान और अनुभवों को साझा किया। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश के क्रॉप पैटर्न को रेन पैटर्न से जोड़ दिया जाए तो मध्य प्रदेश में फसल की पैदावार बढ़ जाएगी और वर्तमान में जितनी फसल ले रहे हैं वह केवल 40% पानी से ही ले सकेंगे । यही एक ऐसा फामूर्ला है जिससे मध्य प्रदेश में पानी की कमी को पूरा कर फसलों का भी भरपूर उत्पादन लिया जा सकता है । उन्होंने कहा है कि आज किसी भी कॉलेज में स्टूडेंट्स को प्रकृति का संरक्षण नहीं सिखाया जाता जबकि प्रकृति का संरक्षण सबसे अहम हैं । आज सभी लोग प्रकृति को कंट्रोल करने में लगे हैं यह भयवाह हैं दुबई में आई बाढ़ ने यह बता दिया है कि अगर प्रक्रिती को कंट्रोल करने की कोशिश की तो वो और विकराल हो जाएगी । हम नेचर को कंट्रोल नहीं कर सकते हैं हम केवल प्रकृति के साथ जी कर ही समस्याओं का समाधान निकाल सकते हैं। हमारे वेदों में भी प्रकृति के संरक्षण और संवर्धन की बात कही गई है लेकिन वेदों की बातों को भी हमने भुला दिया है । हम रास्ता भटक चुके हैं । यही कारण है कि हम आए दिन प्राकृतिक आपदाओं का सामना कर रहे हैं। । आज वर्तमान में सभी कॉलेजों में नेचर पर कंट्रोल और मैनेजमेंट का पाठ पढ़ाया जाता है जबकि प्रकृति का पोषण करने का पाठ नहीं पढ़ाया जाता है । पूरे देश में वाटर लिटरेसी मूवमेंट की आवश्यकता है ताकि आने वाली पीढ़ियां पाने के लिए तरसे नहीं।

इस विशेष सत्र की मेजबानी आईआईएसटी समूह के समूह सलाहकार श्री अरुण एस भटनागर आईआरएस ने की। ।श्री भटनागर ने जल संकट की विकरालता के विभिन्न पहलूओ पर विस्तृत जानकारी दी पिछले छह वर्षो से लगातार संस्थान में को ग्रीन वेव मूवमनेट का अभियान शुरू किया है जिसमें , वृक्षारोपण । वाटर हार्वेष्टिंग, आर्गेनिक फार्मिंग ,एग्रो फार्मिंग और नो प्लास्टिक जैसी योजनाओ का समावेश है ; इसके परिणामस्वरूप आई आई एस टी परिसर जल संसाधन में आत्मनिर्भर हुआ है।

कार्यक्रम में विशेष अतिथी के रूप में पद्मश्री श्री भालू मोढ़े , मेडिकैप्स कॉलेज के चेयरमैन श्री आरसी मित्तल एक्रोपोलिस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट के चैयरमेन श्री अशोक सोजतिया , ओरिएंटल यूनिवर्सिटी के चैयरमेन श्री गौरव ठकराल के साथ ही बड़ी संख्या में कॉलेज के स्टूडेंट , फैकल्टी मेंबर और पर्यावरण के चिंतक मौजूद थे। कार्यक्रम के अंत में आभार श्री अरुण एस भटनागर ने माना ।

AKSA International institute के स्टूडेंट्स ने एविएशन कोर्स के साथ ही,

इन्दौर पुलिस की क्लास में लिया साइबर अपराधों का ज्ञान

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर पुलिस द्वारा साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिये, इसके प्रति लोगों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से लगातार विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी अनुक्रम में दिनांक 23.04.24 को अति. पुलिस उपायुक्त क्राइम इंदौर ने पुलिस टीम के साथ, AKSA International institute इंदौर में पहुंचकर स्टूडेंट्स को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक किया।

सायबर अवेयरनेस के तहत AKSA International institute इंदौर में आयोजित कार्यक्रम में एडीशनल डीसीपी क्राइम श्री राजेश दंडोतिया ने, अपनी 217 वीं कार्यशाला में एविएशन इंडस्ट्री के विभिन्न कोर्स करने वाले करीब 120 स्टूडेंट्स को वर्तमान समय के विभिन्न प्रकार के साइबर अपराधों और इनसे बचने के तरीकों को समझाते हुए, विभिन्न प्रकार के साइबर फ्रॉड, फाइनेंशियल फ्रॉड और सोशल मीडिया का दुरुपयोग कर, किस प्रकार अपराधी हमें अपना शिकार बनाते हैं आदि के बारे में बताया।

उन्होंने सभी से कहा कि हम लोग आजकल ज्यादा से ज्यादा काम डिजिटल रूप में ऑनलाइन कर रहे हैं, जिसमें जरा सी गलती होने पर साइबर फ्रॉड होने की संभावना रहती है। इसलिए हम जागरूक और सतर्क रहकर पूरी सावधानी के साथ सोशल मीडिया और ऑनलाइन फाइनेंशियल काम करें तथा अपनी निजी जानकारी किसी से भी शेयर नहीं करें।

साथ ही सभी को साइबर फ्रॉड होने पर पुलिस से या हेल्पलाइन से किस प्रकार संपर्क करें आदि के संबंध में भी व्यावहारिक ज्ञान प्रदान किया।

इस अवसर पर संस्थान के स्टूडेंटस, सहित स्टाफ भी उपस्थित रहा, जिन्होनें भी साइबर सुरक्षा की इन बारिकियों को समझा और इंदौर पुलिस के इस अभियान की प्रशंसा की।

इंदौर पुलिस द्वारा साइबर अपराधों के प्रति लोगों को जागरूक करने के इस अभियान के तहत, यदि कोई स्कूल/ कॉलेज, संस्थान, इकाई, कॉलोनी आदि में भी साइबर अवेयरनेस की कार्यशाला आयोजित करना चाहता है या कोई जानकारी चाहता है तो वह इंदौर पुलिस के नंबर 7049108197 पर संपर्क कर सकता है।

ऐसी भी क्या जल्दी थी की मुख्यमंत्री के साथ जाने के पहले दाखिल कर दिया पचा

कांग्रेस ने किया भाजपा प्रत्याशी शंकर लालवानी के नामांकन दाखिल करने पर कटाक्ष

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

भारतीय जनता पार्टी के इन्दौर लोकसभा प्रत्याशी शंकर लालवानी ने शहर भाजपा द्वारा घोषित रूप से मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के साथ आकर 25 अप्रैल को नामांकन भरने के पहले ही अघोषित रूप से कलेक्ट्रेट आफिस जाकर अपना नामांकन भर दिया। जिस पर कांग्रेस प्रवक्ता अमित चौरसिया ने कटाक्ष करते हुए कहा की भाजपा मे अंदरुनी हालात ठीक नहीं लग रहे। शंकर भाई का जबसे टिकट तय हुआ है उनके चेहरे पर हवाईया उडी हुई है संगठन से लेकर भाजपा कार्यकर्ताओ का उनको पहले जैसा साथ नहीं मिल रहा है अकेले ही जनसम्पर्क कर रहे है। उनके टिकट घोषित होने के बाद से ताई और भाई के बीच शीत युद्ध फिर शुरू होगया है एक और पूर्व सांसद सुमित्रा महाजन जी ने चुनाव मे फिर सक्रिय हो गई है तो वही भाई कैलाश विजयवर्गीय जी ने चुनाव से दुरी बना रखी है। मंत्री जी की विधानसभा 1 मे हुआ जनसम्पर्क भी पूरा तरह फीका रहा है जिसमे न कोई उत्साह दिखा न क्षेत्रीय नेताओं की उपस्थिति जबकि उक्त विधानसभा मे संगठन कई दौर की बैठके कर चुका था।

प्रवक्ता अमित चौरसिया ने तंज कसते करते हुए कहा की भाजपा प्रत्याशी शंकर लालवानी द्वारा इस तरह पार्टी द्वारा पूर्व घोषित आधिकारिक कार्यक्रम से उलट आज अघोषित रूप से अपने नामांकन दाखिल करना किस असुरक्षा की और इशारा कर रहा है..?? जब लालवानी ने अपना फार्म जमा कर दिया है तो मुख्यमंत्री के साथ एक बार फिर आकर फार्म भरने का क्या औचित्य रह गया है। लालवानी जी मुहूर्त के तहत अभी अपना नामांकन दाखिल करने की बात कर रहे है। खुद को हिन्दू सनातनी विचार धारा का परिचायक दिखाने वाली भाजपा कोई भी कार्य बिना मुहूर्त और चौघड़िया देखे नहीं करती तो फिर इतनी बड़ी चूक कैसे हो गई। पार्टी के अधिकारक कार्यक्रम से इतर उन्होंने ऐसा क्यों किया। जब पार्टी द्वारा कार्यक्रम बनाया जा रहा था तब मुहुर्त की बात नहीं बताई गई थी क्या। तो अब भाजपा को बताना चाहिए की जब नामांकन दाखिल कर ही दिया है तो फिर मुख्यमंत्री के साथ दोबारा आने का क्या औचित्य रह

कांग्रेस छोड़ भाजपा में आए पूर्व विधायक संजय शुक्ला व विशाल पटेल अपने समर्थकों को कराएंगे भाजपा में शामिल

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए पूर्व विधायक संजय शुक्ला और विशाल पटेल के समर्थक आज गुरुवार को भाजपा में शामिल होंगे ।इसके लिए एक बड़े कार्यक्रम का आयोजन दलाल बाग में किया जा रहा है । शुक्ला के अनुसार कि इस कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय, इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव, इंदौर शहर भाजपा के अध्यक्ष गौरव रणदिवे और अन्य नेता मौजूद रहेंगे । यह कार्यक्रम दोपहर 12:00 बजे आयोजित किया गया है । इस कार्यक्रम में कांग्रेस के पार्षद, पूर्व पार्षद, ब्लॉक अध्यक्ष, वार्ड अध्यक्ष, सरपंच, पूर्व ब्लाक अध्यक्ष, पूर्व वार्ड अध्यक्ष, पूर्व सरपंच सहित भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन और युवक कांग्रेस के पूर्व पदाधिकारी भाजपा में शामिल होंगे । शुक्ला के अनुसार इस कार्यक्रम में तकरीबन आठ हजार से ज्यादा उनके समर्थक कांग्रेसी कार्यकर्ता भाजपा में शामिल होंगे । इस कार्यक्रम के लिए व्यापक पैमाने पर तैयारी की जा रही है।

जानापाव में तेंदुए के मूवमेंट, वन विभाग ने लगाए कैमरे और पिंजरे

इन्दौर। शहरी क्षेत्रों में लगातार हो रहे तेंदुए के मूवमेंट से उस समय और सनसनी फैल गई जब इन्दौर वन मंडल के क्षेत्र समीपस्थ जानापाव की पहाड़ी पर स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर के महंत कमलगिरी महाराज ने वन विभाग के अधिकारियों को दो तेंदुओं को लड़ते हुए देखने की बात कही। यहीं नहीं जानापाव के पंचमुखी हनुमान मंदिर के आसपास क्षेत्र में दर्शनार्थ आएं श्रद्धालुओं ने भी क्षेत्र में कई बार तेंदुआ देखें जाने की बात बताई।

कांग्रेस के लोकसभा प्रत्याशी अक्षय कांति बम ने भरा नामांकन

इन्दौर। कांग्रेस के इन्दौर लोकसभा सीट के अधिकृत प्रत्याशी डॉ अक्षय कांति बम ने आज अपना नामांकन फॉर्म भरा। डॉ अक्षय कांति बम सबसे पहले राजवाड़ा चौक पर स्थित देवी अहिल्याबाई प्रतिमा पर पहुंचें वहां माल्यार्पण कर मां अहिल्या को नमन कर उसके पश्चात रैली के रूप में कलेक्ट्रेट आफिस मोती तबेला चौराहे स्थित कलेक्टर कार्यालय पहुंचे जहां इंदौर कलेक्टर आशीष सिंह ने उनसे उनका फार्म लिया । बम के साथ में विपिन वानखेड़े, सुरजीत चड्ढा सहित अन्य कांग्रेसी साथ में मौजूद रहे ।

नवीन शिक्षा से ज्ञान ही ज्ञान

संजय गोस्वामी

ग्लोबल हेराल्ड

हमें किसी भी कोर्स के दाखिला लेने के लिए घर से ऑनलाइन पंजीकरण करवा सकते है। परीक्षा के परिणाम के लिए दूर नहीं जाना पड़ता है , घर में हम आसानी से देख सकते है। शैक्षिक क्रियाकलापों में ई कंटेंट के उपयोग से सबको फायदा मिल रहा है। छात्रों के लिए इंटरनेट दैनिक जीवन का हिस्सा बन गया है। इंटरनेट की सहायता से हम किसी भी विषय के बारे में जानकारी ले सकते है। इंटरनेट से हम सभी विषय पढ़ सकते कभी भी। इंटरनेट में बहुत सारे उतर मिलते है जो आसन होता है हम वह पढ़ सकते है। इंटरनेट के आने से हम किसी भी चीज या फिर किसी महान लोगो के बारे में कोई भी इनफार्मेशन केवल एक मिनट में निकाल सकते है। स्मार्ट कक्षा और ऑनलाइन कक्षा से बच्चों पढ़ाने के प्रणाली से बच्चों को बहुत फायदा हो रहा है। इंटरनेट की सहायता से छात्रों को सभी विषयों को समझने में आसानी होती है। इंटरनेट में हमें आसानी से सभी विषयों के बारे में आसानी से सारी जानकारी प्राप्त हो जाती है ।शैक्षिक क्रियाकलापों में ई कंटेंट का बहुत उपयोग हो गया है। आज के समय में स्रोत के रूप में इंटरनेट बहुत अच्छा स्रोत है।

कई बच्चे बचपन से गणित से खौफ में रहते हैं। कॉलेज-विश्वविद्यालय पहुंचने तक गणित का भूत उनका पीछा नहीं छोड़ता। यद्यपि गणित पठन-पाठन को रोचक बनाने के लिए कई नवाचार हुए, पर बच्चों में भय बना हुआ है। जैसा कि कंप्यूटर की विविध क्षेत्रों में उपयोगिता उपर दिखाई गई है। यह सब कंप्यूटर शिक्षा से ही संभव है। कंप्यूटर शिक्षा से जटिलतम

प्रश्नों तथा समस्याओं का हल आसानी से किया जा सकता है। व्यावसायिक क्षेत्र की सफलता के लिए कंप्यूटर का ज्ञान अति आवश्यक बन गया है। इसी से वर्तमान में दूरस्थ शिक्षा तथा ऑनलाइन एजुकेशन के कार्यक्रम चल रहे है। फलस्वरूप इससे बौद्धिक शारीरिक श्रम समय तथा धन की बचत हो रही है कंप्यूटर शिक्षा का वर्तमान में सर्वाधिक महत्व है। इससे सभी क्षेत्रों में उपयोगिता बढ़ी है। इससे अनेक समस्याओं को सुलझाने में अत्यल्प समय लगता है ।विज्ञानिक युग में इस अर्थ प्रधान एवं व्यस्ततम जीवन में कंप्यूटर से प्रत्येक सामान्य बच्चा लाभान्वित हो रहा है। अब कंप्यूटर केवल संगणक न रहकर बच्चे सर्व कार्य कर डालते है। कंप्यूटर समायोजित शिक्षण से सकारात्मक तरीके से उसकी कमियों से परिचित करवाती हुई, दिशा दिखाती है ।जो नवीन शिक्षा 2020 में ई लर्निंग पर जोड़ दिया गया है अब तो आर्टिफिशल इंटेलीजेंट का कोर्स भी नविन शिक्षा नीति में जोड़ दिया गया है जिससे बच्चे आगे चलकर अवश्य ही तकनिकी की नई दुनिया से रूबरू हो सकेंगे।

इलेक्ट्रानिक, प्रिंट, सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाले विज्ञापनों, समाचारों और पेड न्यूज पर निगरानी की बेहतर व्यवस्था

व्यय प्रेक्षक मत्ता पदमा ने मीडिया मॉनिटरिंग प्रकोष्ठ के कार्यों का लिया जायजा

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा इंदौर संसदीय क्षेत्र के लिए नियुक्त व्यय प्रेक्षक मत्ता पदमा ने आज यहां जिला पंचायत में स्थापित मीडिया मॉनिटरिंग प्रकोष्ठ के कार्यों का अवलोकन किया। इस प्रकोष्ठ के माध्यम से निर्वाचन के दौरान इलेक्ट्रानिक, प्रिंट, सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाले विज्ञापनों, समाचारों और पेड न्यूज पर निगरानी रखी जा रही है।

भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार इंदौर जिले में मीडिया मॉनिटरिंग प्रकोष्ठ की स्थापना की गई है। व्यय प्रेक्षक मत्ता पदमा ने मीडिया मॉनिटरिंग प्रकोष्ठ की विभिन्न शाखाओं का अवलोकन किया। उन्होंने मॉनिटरिंग की व्यवस्थाओं को देखा। उन्होंने निर्वाचन के दौरान अभ्यर्थियों द्वारा निर्वाचन के दौरान इलेक्ट्रानिक, प्रिंट, सोशल मीडिया पर प्रसारित किये जाने वाले विज्ञापनों की निगरानी की व्यवस्थाएं भी देखी। उन्होंने इस प्रकोष्ठ के कार्यों की सराहना भी की। उन्होंने कहा कि निगरानी की बेहतर व्यवस्थाएं है। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन, मीडिया मॉनिटरिंग प्रकोष्ठ के नोडल अधिकारी तथा संयुक्त संचालक जनसंपर्क डॉ. आर.आर. पटेल ने उन्हें प्रकोष्ठ के संबंध में जानकारी दी। निर्वाचन के दौरान विज्ञापनों, समाचारों और पेड न्यूज पर सतत निगरानी रखने के लिये की गई व्यवस्थाओं के संबंध में विस्तार से बताया।

इस अवसर पर बताया गया कि लोकसभा निर्वाचन 2024 के दौरान पेड न्यूज संबंधी मामलों, प्रिंट मीडिया में प्रकाशित एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया चैनल में प्रसारित खबरों की 24 घंटे सतत मॉनिटरिंग/रिकॉर्डिंग की व्यवस्था की गई है। न्यूज मॉनिटरिंग, सोशल मीडिया मॉनिटरिंग, मीडिया सर्टिफिकेशन एवं पेड न्यूज के मामलों सहित अन्य सभी कार्यों के लिये अलग-अलग दल गठित कर उनके प्रभारी नियुक्त किये गये हैं। इस प्रकोष्ठ में जनसम्पर्क विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों सहित विषय विशेषज्ञों की टीम लगायी गई हैं। टीम में देवी अहिल्या विश्व विद्यालय के प्रोफेसरों, विभिन्न विभागों के इंजिनियरों, अन्य अधिकारी-कर्मचारियों, विशेषज्ञों सहित लगभग 80 लोगों की सेवाएं ली जा रही हैं। प्रकोष्ठ की टीमों द्वारा तीन पारियों में प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक एवं सोशल मीडिया की खबरों की सतत निगरानी की जा रही है। यह कार्य प्रतिदिन तीन पारियों में सुबह 6 से दोपहर 2 बजे तक, दोपहर 2 से रात्रि 10 बजे तक और रात्रि 10 से अगले दिन सुबह 6 बजे तक निरन्तर किया जा रहा हैं। समाचार पत्र, पत्रिकाओं में प्रकाशित समाचारों एवं मीडिया रिपोर्ट्स की निगरानी एवं कतरनों के संधारण कार्य के लिए भी अलग टीम सुबह 6 से शाम 6 बजे तक कार्य कर रही हैं।

लोकसभा निर्वाचन-2024

मतदाताओं को मतदान के लिये जागरूक करने की इंदौर में अनूठी पहल

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर में लोकसभा चुनाव को देखते हुए मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिये कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री आशीष सिंह के निर्देशन में लगातार अनेक नवाचार किये जा रहे है। मतदाता जागरूकता के लिये स्वीप अभियान लगातार चल रहा है। इस अभियान के तहत मतदाताओं को मतदान के लिये जागरूक करने की एक और अनूठी पहल की गई है। यहां महिलाओं ने क्रिकेट खेलकर मतदाताओं को मतदान का संदेश दिया।

स्वीप अभियान के जिला नोडल अधिकारी एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री सिद्धार्थ जैन के मार्गदर्शन में मतदाता जागरूकता गतिविधियों का आयोजन प्रभावी रूप से किया जा रहा है। इस सिलसिले में आज इंदौर जिले में ग्रामीण क्षेत्र में महिलाओं के बीच क्रिकेट मैच का स्वीप गतिविधि के रूप में आयोजन का अभिनव प्रयास किया गया। इन्दौर जनपद पंचायत के ग्राम सिंहासा व ग्राम असरावद खुर्द में स्वयं सहायता समूह की महिला सदस्यों की क्रिकेट टीम बनाई गई। इन टीमों द्वारा क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। इन महिला टीमो के मध्य खेल के माध्यम से मतदान के प्रति जागरूकता बढाने के लिये प्रयास किये गये। जिसमे दोनों ग्राम की कुल 50 से अधिक महिला सदस्यों द्वारा भाग लिया गया। ग्राम सिंहासा में दुलादेव स्वयं सहायता समूह एवं भवानी स्वयं सहायता समूह के बीच क्रिकेट खेला गया। जिसमें दुलादेव स्वयं सहायता समूह की टीम विजेता रही। इसी तरह ग्राम असरावद खुर्द में रूद्र स्वयं सहायता समूह और बजरंगबली स्वयं सहायता समूह के बीच मुकाबला हुआ। जिसमें विजेता रूद्र समूह रहा।

उपरोक्त आयोजन के माध्यम से आगामी लोकसभा चुनावो में अधिक से अधिक मतदान को बढ़ावा देना साथ ही मैच समाप्ति के पश्चात समूह की महिलाओ में मतदान करने की शपथ ली गयी। संकल्प लिया गया कि वे घर-घर जाकर समस्त मतदाताओ से सम्पर्क कर 13 मई को होने वाले मतदान में मतदान हेतु प्रेरित करेगी।

सीईओ जिला पंचायत श्री सिद्धार्थ जैन ने ग्रामीण महिलाओं के बीच स्वीप गतिविधी के रूप में क्रिकेट मैच आयोजन के नवाचार की प्रशंसा की है एवं आशा व्यक्त की है कि ग्रामीण महिलाओं द्वारा स्वीप अन्तर्गत क्रिकेट में भागीदारी जिले की समस्त महिलाओं को मतदाता के रूप में लोकतंत्र में अपनी जिम्मेदारी निभाने को प्रेरित करेगी।

37 दिन में 244 करोड़ से अधिक मूल्य की विभिन्न सामग्री जब्त

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया है कि लोकसभा निर्वाचन-2024 की आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील होने के बाद पुलिस एवं अन्य एन्फोर्समेंट एजेंसियों द्वारा लगातार निगरानी की जा रही है। उन्होंने बताया कि 16 मार्च से 22 अप्रैल तक प्रदेश में 19 करोड़ 54 लाख 85 हजार 81 रुपये नगद राशि सहित 244 करोड़ 55 लाख 10 हजार 762 रुपये मूल्य की विभिन्न सामग्री जब्त की गयी हैं। गौरतलब है कि लोकसभा निर्वाचन-2019 में आदर्श आचरण संहिता के दौरान 85 करोड़ 12 लाख रुपये मूल्य की विभिन्न सामग्री जब्त की गयी थीं। लोकसभा निर्वाचन-2024 की आदर्श आचरण संहिता अवधि में मात्र 37 दिन में ही गत लोकसभा निर्वाचन की तुलना में लगभग तीन गुना अधिक मूल्य की विभिन्न अवांछित सामग्री की जब्ती की जा चुकी हैं। 22 अप्रैल तक 22 लाख 72 हजार 657 लीटर से अधिक मदिरा भी जब्त की गयी है, जिसका मूल्य 33 करोड़ 77 लाख 34 हजार 911 रुपये है।

पाईल्स एवं मोतियाबिंद के ऑपरेशन का शिविर एक और दो मई को

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

रॉबर्ट्स नर्सिंग होम इंदौर में 1 एवं 2 मई 2024 को रोटरी क्लब ऑफ इंदौर के सहयोग से पाइल्स एवं मोतियाबिंद के ऑपरेशन हेतु शिविर आयोजित किया जायेगा। इस शिविर में ऑपरेशन रियायती दरों होंगे। शहर के प्रसिद्ध एवं अनुभवी सर्जन डॉ. अपूर्व चौधरी, डॉ. प्रणव मंडोवरा एवं डॉ. संजय हवलदार द्वारा ऑपरेशन्स किये जायेंगे। नर्सिंग होम के मानद सचिव डॉ. विजयसेन यशलाहा ने बताया कि इच्छुक व्यक्ति 07313695090, 07313695087 पर संपर्क कर रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं।

इनोवा कार ने बलेनो को मारी टक्कर, रिपोर्ट दर्ज, राजनीति के चलते कार्रवाई नहीं

इन्दौर। सुपर कॉरिडोर पर एक अंध गति से दौड़ती इनोवा क्रिस्टा कार ने पीछे से बलेनो कार को टक्कर मारी और इसके बाद आगे जाकर सड़क किनारे बने टीन शेड और पोल से टकराकर रुक गई। वहीं जोरदार टक्कर से बलेनो 180 डिग्री घूम गई। पीड़ित बलेनो चालक की मदद से इसका विडियो पुलिस को उपलब्ध हुआ है हालांकि पुलिस ने अभी तक न तो इनोवा कार चालक को पकड़ा है और न ही कार जब्त की। घटना बाणगंगा थाना क्षेत्र की है। मामले में बताया जा रहा है कि इनोवा कार चालक युवक बीजेपी पार्षद का रिश्तेदार हैं तो बलेनो चालक टीसीएस कंपनी में साफ्टवेयर इंजीनियर पवन चौहान। घटना इक्कीस अप्रैल की बताई जा रही है हालांकि पवन चौहान की रिपोर्ट पर थाना बाणगंगा पुलिस ने मामला तब दर्ज कर लिया है। पुलिस को फरियादी पवन ने पूरी घटना के सीसीटीवी फुटेज निकालकर दिए जिसमें तेज रफ्तार में आती इनोवा कार बलेनो को टक्कर मारती दिखाई दे रही है। घटना के बारे में जो पवन चौहान ने पुलिस को बताया उसके अनुसार पवन अपनी बलेनो कार क्रमांक टढ09 उ्र 3142 से पत्नी हंसा, बड़ी बेटी प्रांजला और तीन साल की बेटी नीसा के साथ दीपमाला चौराहे से कांकड़ स्थित पुराने घर एक शादी में जा रहे थे । बलेनो पवन खुद कार ड्राइव कर रहे थे। तभी सुपर कारिडोर पर जेस्ट फार्मा के सामने तेज रफ्तार इनोवा क्रिस्टा टढ09`उ 0002 कार ने पवन की कार को पीछे से जोरदार टक्कर मारी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पवन की कार 180 डिग्री घूम गई। वहीं इनोवा कार आगे जाकर सड़क किनारे बने टीन शेड और पोल से टकराकर रुक गई। पवन के अनुसार टक्कर मारने के बाद जब इनोवा आगे जाकर रुकी तो उसमें से करीब बीस साल का एक लड़का उतारा। जो नशे में था और खुद को बीजेपी पार्षद का भतीजा बता रहा था। पवन के अनुसार कुछ देर बाद एक अन्य युवक जो खुद को बीजेपी पार्षद का बेटा बता रहा था मौके पर पहुंचा। और पवन को कार का काम करवाने के साथ घायल बेटी का उपचार कराने का कहते इनोवा चलाने वाले युवक को अपने साथ लेकर कार सहित चला गया। फिलहाल उन्होंने मामले में बाणगंगा थाने में एफआईआर दर्ज करा दी है। कार चालक अभी पुलिस गिरफ्त से बाहर है। वहीं पुलिस न कार भी जब्त नहीं की है।

पांचवीं मंजिल छत भराई के दौरान लिफ्ट गिरने से मजदूर की मौत

इन्दौर। निमार्णाधीन निजी स्कूल की पांचवी मंजिल से गिरने के कारण मजदूर की मौत हो गई। स्कूल बिल्ड़ीग पर छत भरा रही थी तभी लिफ्ट टूटी और मजदूर पांचवी मंजिल से नीचे गिर गया। उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना लसूड़िया थाना क्षेत्र के तलावली चांदा की है जहां डीसीएम स्कूल की पांचवी मंजिल की छत भराने का काम चल रहा था। तभी अचालक लिफ्ट टूट गई। लिफ्ट पर बैठा कमल पुत्र सौदान सिंह सोलंकी निवासी चंदन नगर लिफ्ट सहित नीचे गिर गया जिसमें उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के समय ठेकेदार मुकेश भी मौके पर मौजूद था। काम करने वाले अन्य मजदूरो के अनुसार बिल्ड़ीग में ओर भी मजदूर कमल के साथ काम कर रहे थे। वह लिफ्ट में बैठा हुआ था। बाकि छत पर थे। अचानक लोहे का तार टूटने की आवाज आई। पलक झपकते ही कमल नीचे था। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच कार्रवाई शुरू कर दी है।

इंदौर संसदीय क्षेत्र के लिए 5 उम्मीदवारों द्वारा नाम निर्देशन पत्र दाखिल

नाम निर्देशन पत्र दाखिल करने की आज अंतिम तिथि

इंदौर ■ ग्लोबल हेराल्ड

इंदौर संसदीय क्षेत्र के लिये नाम-निर्देशन पत्र दाखिल करने का सिलसिला जारी है। नाम-निर्देशन पत्र दाखिल करने के छटवें दिन आज 5 उम्मीदवारों द्वारा नाम निर्देशन पत्र दाखिल किये गये। आज श्री सुनील कुमार अहिरवार (निर्दलीय), श्री अयाज अली (निर्दलीय), श्री अक्षय बम(इंडियन नेशनल कांग्रेस), श्री पवन कुमार (अखिल भारतीय परिवार पार्टी) तथा श्री अभय कुमार जैन (निर्दलीय) द्वारा नाम निर्देशन पत्र दाखिल किये गये। इन्हें मिलाकर अब तक 15 उम्मीदवार नाम निर्देशन पत्र जमा कर चुके है। नाम निर्देशन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 25 अप्रैल (गुरूवार) है। कलेक्टर कार्यालय में बनाए गए रिटर्निंग अधिकारी के कक्ष में प्रातः 11 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक नाम निर्देशन पत्र प्रस्तुत किए जा सकेंगे। प्राप्त नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा (जांच) का कार्य 26 अप्रैल 2024 (शुक्रवार) को होगा। अभ्यर्थी 29 अप्रैल 2024 (सोमवार) तक अपना नाम वापस ले सकते हैं। जिले में 13 मई (सोमवार) को मतदान होगा और 4 जून (मंगलवार) को मतगणना होगी।

केरल पर भी सियासी जहर का असर...

राकेश अचल

सर्वाधिक शिक्षित केरल पर भी नागपुरिया सियासत का जहर असर दिखाने लगा है। यहां के एक निर्दलीय वामपंथी समर्थक विधायक ने कांग्रेस के नेता राहुल गांधी को लेकर एक अत्यंत अमर्यादित टिप्पणी की है ।इस टिप्पणी से राहुल गांधी पर तो कोई असर नहीं होगा लेकिन केरल की प्रतिष्ठा को धक्का अवश्य लग रहा है।

माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के हिंदू - मुसलमान वाले बयानों पर केंद्रीय चुनाव आयोग की चुप्पी की वजह से राजस्थान से जो जहर फैलना शुरू हुआ वो अब केरल तक जा पहुंचा है। केरल के वामपंथी समर्थक नेता ने राहुल गांधी के डीएनए को लेकर अमर्यादित टिप्पणी की है। उन्हें राहुल के गांधी होने पर शक है।

अनवर ने कहा कि वे बहुत नीचे गिर गए हैं। मुझे शक है कि राहुल गांधी का जन्म नेहरू परिवार में हुआ था। मेरे ख्याल से उन्हें अपने सरनेम में गांधी का भी इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।

अनवर ने यह बात राहुल गांधी के उस बयान के खिलाफ कही, जिसमें उन्होंने केरल के मुख्यमंत्री पर तंज कसते हुए कहा था कि दो मुख्यमंत्री जेल में हैं। केरल के मुख्यमंत्री के साथ ऐसा कैसे नहीं हो रहा? यह थोड़ा हैरान करने वाला है।

राहुल के इस बयान से आईएनडीआईए ब्लॉक गठबंधन नेताओं, कांग्रेस और माकपा के बीच चल रहा मतभेद और बढ़ गया है। दुख की बात ये है कि केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने अनवर को डांटने के बजाय उनका बचाव करते हुए कहा- राहुल को बोलते हुए सावधान रहना चाहिए।

राहुल ने विजयन के खिलाफ कोई अभद्र टिप्पणी नहीं की थी ।एक सामान्य बात कही थी ।विजयन चूंकि वामपंथी हैं इसलिए उन्हें दूध का धुला होने का तमगा नहीं दिया जा सकता। बहरहाल इस समय देश की फिजा में चौतरफा जहर ही जहर है। अकेले भाजपा इसके लिए जिम्मेदार नहीं हैं ।सभी राजनीतिक दलों में लगता है कि जहर फैलाने की होड़ लगी है।

मौजूदा हालात में केंद्रीय चुनाव आयोग का निकम्मापन खुलकर सामने आ गया है। केंचुए के पास इतनी ताकत नहीं है कि वह बदजुबानी के लिए किसी को भी आंखें दिखा सके। उसके लिए अनवर हों या परम स्वतंत्र आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी सब बराबर हैं। केंचुआ केवल कांग्रेसियों को ही एडवाइजरी जारी कर सकता है, उन्हें चुनाव प्रचार करने से रोक सकता है। प्रधानमंत्री के खिलाफ की गई शिकायत पर संज्ञान लेने की हिम्मत केंचुए में है ही नहीं।

अठारहवीं लोकसभा के लिए चुनाव जिस माहौल में हो रहे हैं उसे देखकर लगता है कि नयी लोकसभा भी जहरीली सियासत की तरह जहर बुझी ही होगी ।जिस तरह से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बहुसंख्यक समाज में मुसलमानों को लेकर जो भ्रम फैला रहे हैं,उसकी भनक सत्रहवीं लोकसभा में भाजपा सांसद बिधूड़ी के एक मुस्लिम सांसद पर दिए गए भाषण में बहुत पहले मिल चुकी है। मुस्लिम सांसद भले ही बसपा के थे, लेकिन थे तो हिंदुस्तान के।

मतदाताओं को समझना होगा कि यदि वे मुसलमानों को लेकर घृणा फैलाने वालों के फेर में आ गए तो वे भी उस जघन्य पाप के भागीदार बन जाएंगे जो पाप भाजपा और मोदी जी खुल्लम खुल्ला कर रहे हैं। केंचुआ उनका सहायक है। अदालतें स्वयं संज्ञान ले नहीं सकतीं। यानि नेताओं को जहर घोलने की पूरी आजादी है।

देश में कोई भी सरकार रही हो उसने कभी किसी से छीनकर किसी दूसरे को नहीं दिया ।दे भी नहीं सकती। भाजपा में भी इतना दम नहीं है कि वो मुसलमान से छीनकर हिंदू को दे दें । भाजपा तीसरी क्या दस बार भी सत्ता में आ जाए देश के 20 करोड़ मुसलमानों को न देश निकाला दे सकती है और न उन्हें बुलडोजर से रोंद सकती है। सियासी बुलडोग भी मुसलमान को नुक्सान नहीं पहुंचा सकते।

केंचुए की लापरवाही और सत्ता प्रतिष्ठान से तालमेल का है खामियाजा देश को न भुगतना पड़े, इसके लिए जरूरी है कि सभी विपक्षी दल सांप्रदायिकता का जहर फैलाने वालों से जूझे में न कि आपस में उलझें। सांप्रदायिक ताकतों की कोशिश तो यही है कि विपक्षी आपस में ही लड़ मरें ।विपक्ष को अकेले केरल नहीं बल्कि पूरा देश बचाना है।

बहरहाल अभी वक्त है, चुनाव आयोग नींद से बाहर आए। मोदी हों या राहुल अनवर हों या अरविंद सबको बदजुबानी से रोके। सख्ती से रोके। कोई कितना भी बड़ा क्यों न हो केंचुए का कुछ नहीं बिगाड़ सकता ।टीएन शेषन ने ये कर दिखाया था। संविधान में केंचुए को हर नाग - नागिन को नाथने की ताकत दी है। यदि केंचुए ने अपनी जिम्मेदारी न निभाई तो लोकतंत्र बर्बाद हो जाएगा।

अहंकारी बाबा रामदेव ने एक बार फिर बनाया मूर्ख?

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर बाबा रामदेव ने एक माफीनामा प्रकाशित करवाया है। रिट याचिका संख्या 645/2022 के संदर्भ में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा जो आदेश दिया गया था, उसकी अवज्ञा करने पर उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर जो माफीनामा प्रकाशित कराया है, उसे देखने से प्रतीत होता है कि उन्होंने सुप्रीम कोर्ट से माफी मांगी है। पतंजलि आयुर्वेद द्वारा जो विज्ञापन फर्जी दावे कर प्रकाशित कराए गए थे। तब उन विज्ञापनों में तरह-तरह की फर्जी दावे किए गए थे। मौजूदा माफीनामा वाले विज्ञापन में ना तो उनका उल्लेख किया गया है और ना ही पतंजलि आयुर्वेद द्वारा फर्जी दावे कर जिनको ठगा गया है, उनसे ही माफी मांगने का कोई उल्लेख किया गया है। पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड द्वारा वर्षों से प्रकाशित विज्ञापनों में जो झूठे दावे किए गए थे। उसके लिए अभी भी माफी नहीं मांगी गई है। बाबा रामदेव की कंपनी पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड, बाबा रामदेव, आचार्य बालकृष्ण ने जो माफीनामा प्रकाशित कराया है। उसमें केवल सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का पालन नहीं करने पर माफी मांगी गई है। दरअसल 22/11/2023 को संवाददाता सम्मेलन आयोजित कर सुप्रीम कोर्ट के आदेश को जो चुनौती उन्होंने दी थी, उसके लिए उन्होंने सुप्रीम कोर्ट से क्षमा मांगी है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद भी छोटा सा विज्ञापन, जिसमें किसी किस्म के तथ्यों का उल्लेख ही नहीं था। कुछ विज्ञापन के माध्यम से पहले सुप्रीम कोर्ट को धोखा देने की कोशिश की। सुप्रीम कोर्ट ने जब अपनी नाराजगी जताई, उसके बाद जो थोड़ा बड़ा विज्ञापन जारी किया गया उसमें भी इस बात का उल्लेख नहीं है कि पतंजलि आयुर्वेद किस गलती के लिए किससे माफी मांग रही है। विज्ञापन में जो झूठे दावे किए थे। उसके बारे में कोई स्पष्टीकरण प्रकाशित नहीं किया गया है। ताकि उपभोक्ता और भक्त जिन्हें विभिन्न माध्यमों से ठगा गया वो जान सकें कि पतंजलि के विज्ञापन में झूठ परोसा गया था। उसके बारे में उपभोक्ता को जानकारी प्राप्त हो। बाबा रामदेव को सरकार का संरक्षण मिला हुआ है। बाबा रामदेव पतंजलि के उपभोक्ताओं और भक्तों को मूर्ख मानते हुए अभी भी धोखा देने का प्रयास कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का भी इस तरह से पालन कर रहे हैं, जिसमें सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का क्रियान्वयन भी हो जाए और सही बात भी सामने नहीं आ पाए। पतंजलि द्वारा प्रकाशित दोनों विज्ञापन में उन्होंने उच्चतम न्यायालय की महिमा का सम्मान बनाए रखने का दावा किया है। पतंजलि आयुर्वेद ने उपभोक्ताओं के साथ जो छल किया है, उसके लिए उन्होंने अभी भी माफी नहीं मांगी है। सही मायने में विज्ञापनों में किए गए झूठे दावों के लिए उपभोक्ताओं से माफी मांगनी चाहिए थी। इसका स्पष्ट उल्लेख विज्ञापन में होना चाहिए था। बाबा के पास जो सामर्थ्य वर्तमान में है। उसको देखते हुए बाबा रामदेव से इससे ज्यादा की आशा उपभोक्ताओं को नहीं करनी चाहिए। ना ही सुप्रीम कोर्ट को बाबा रामदेव से करना चाहिए। बाबा ने सुप्रीम कोर्ट की महिमा और सम्मान को बनाए रखने के लिए अतुलनीय काम किया है। यही मानकर सबको चलना पड़ेगा। बाबा रामदेव शायद ऐसा ही सोचते हैं। यह विज्ञापन में साफ झलक रहा है। बहरहाल यह मामला अभी सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है, बाबा रामदेव की पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड ने दूसरा विज्ञापन सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर प्रकाशित करा दिया है। सुप्रीम कोर्ट विज्ञापन को किस रूप में लेगा, कहना मुश्किल है। उपभोक्ताओं के साथ पतंजलि आयुर्वेद और बाबा रामदेव ने मॉडल बनाकर जो धोखाधड़ी और विश्वासघात किया है। पतंजलि के उत्पाद को लेकर जो फर्जी दावे किए हैं। उपभोक्ताओं और भक्तों को साधु के वेष में जिस तरह से लूटा है। उसके लिए अभी तक बाबा ने माफी नहीं मांगी है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले और अवमानना की कार्रवाई के बाद भी बाबा रामदेव का अहंकार जरा भी कम नहीं हुआ है। वह अपने अहंकार को बनाए रखने के लिए लगातार हर संभव धोखा देने का प्रयास कर रहे हैं। इससे सभी हतप्रभ हैं।

2024: कांग्रेस, पाकिस्तान और मुसलमान

मुस्ताअली बोहरा

दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

जैसे कि उम्मीद थी तकरीबन वैसा ही हो रहा है। 2024 के आम चुनाव में भी भारतीय जनता पार्टी की इलेक्शन कैंपनिंग कांग्रेस, पाकिस्तान और मुसलमानों के ईर्द-गिर्द ही घूम रही है। चुनाव शुरू होने से पहले और अब तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जितनी भी सभाएं हुई हैं या जितनी दफा भी उन्होंने भाषण दिए हैं उनका केन्द्र या तो पूर्ववर्ती कांग्रेसनीत सरकार की खामियां गिनाना रहा है या फिर पाकिस्तान की बात करना या प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष तौर पर मुसलमानों का जिक्र करना ही रहा है। मोदी ने अपने अब तक के कार्यकाल की उपलब्धियों को शायद कम ही गिनाया है। इसके पीछे वजह जो भी हो लेकिन मोदी जैसी शख्सियत से ये उम्मीद तो की ही जानी चाहिए कि वो अपने कामों से वोट मांगें।

हाल ही में पीएम नरेंद्र मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के एक पुराने भाषण का हवाला देते हुए मुसलमानों पर टिप्पणी की थी, जिसमें उन्हें घुसपैठिए और ज्यादा बच्चे पैदा करने वाला कहा गया था। पीएम मोदी ने मनमोहन सिंह के जिस 18 साल पुराने भाषण का जिक्र किया है, उसमें मनमोहन सिंह ने मुसलमानों को पहला हक देने की बात नहीं कही थी। तब मनमोहन सिंह ने 2006 में कहा था, अनुसूचित जातियों और जनजातियों को पुनर्जीवित करने की जरूरत है। हमें नई योजनाएं लाकर ये सुनिश्चित करना होगा कि अल्पसंख्यकों का और खासकर मुसलमानों का भी उत्थान हो सके, विकास का फायदा मिल सके। इन सभी का संसाधनों पर पहला दावा होना चाहिए। अब, इतने साल बाद मोदी ने मनमोहन सिंह की इस टिप्पणी को अपने भाषण में क्यों इस्तेमाल किया ये बताने की जरूरत नहीं है। जिनके ज्यादा बच्चे हैं.. ये बात वो मोदी कर रहे हैं जो खुद 6 भाई-बहन हैं जिनमें वे तीसरें नंबर के हैं, उनकी एक बहन भी है। ये सभी जानते हैं कि नरेन्द्र मोदी का जन्म तत्कालीन बॉम्बे राज्य के महेसाना जिला स्थित वडनगर ग्राम में हीराबेन मोदी और दामोदरदास मूलचन्द मोदी के एक मध्यम-वर्गीय परिवार में 17 सितम्बर 1950 को हुआ था। वह पैदा हुए छह बच्चों में तीसरे थे। हीराबेन मोदी और दामोदरदास मूलचन्द मोदी के सबसे बड़े बेटे सोमभाई मोदी हैं। दूसरे नंबर पर अमृतभाई मोदी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने भाई-बहनों में तीसरे नंबर पर हैं। पीएम नरेंद्र मोदी से छोटे उनके भाई प्रह्लाद मोदी, फिर इकलौती बहन वसंतीबेन और सबसे छोटे भाई पंकज मोदी हैं। मोदी का परिवार मोध-घांची-तेली समुदाय से था, जिसे भारत सरकार द्वारा अन्य पिछड़ा वर्ग के रूप में वगीर्कृत किया जाता है।

क्या सिर्फ मुसलमानों के हैं ज्यादा बच्चे

पीएम मोदी के ज्यादा बच्चे और घुसपैठिये वाले बयान के बाद अब खुद मोदी और भाजपा नेता अपनी सरकार को मुसलमान हितैषी बताने की कोशिश कर रहे हैं। यहां ये बताना लाजमी होगा कि कुछ महीनों पहले ही भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा और मुस्लिम राष्ट्रीय मंच ने भी मुसलमानों को भाजपा से जोड़ने की कोशिश की थी। भाजपा ने पिछले साल मुसलमानों को पार्टी से जोड़ने के लिए मोदी भाईजान अभियान शुरू किया था। इसके तहत मुस्लिम बहुल गांवों में कौमी चैपाल मुहिम चलाई थी। लेकिन, जल्द ही भाजपा का कथित मुस्लिम प्रेम ज्यादा दिन परवान नहीं चढ़ सका और राजस्थान में पीएम मोदी ने मुसलमानों को ज्यादा बच्चा पैदा करने वाला और घुसपैठिया तक कर दिया। इससे पहले भी असम में मुसलमानों की तुलना घुसपैठियों से करते हुए मोदी ने बांग्लादेशी प्रवासियों पर भी टिप्पणी की थी। पश्चिम बंगाल में भाषण के दौरान मोदी कह चुके हैं कि बांग्लादेश से केवल उन लोगों का स्वागत है जो दुर्गाष्टमी मनाते हैं। बवाल के बाद मोदी ने ये कहकर पल्ला झाड़ लिया था कि उनके भाषण का गलत मतलब निकाला गया। पीएम मोदी कभी खुद को मुसलमानों का हितैषी बताते हैं तो कभी मुसलमानों को विपक्ष का वोट बैंक। यदि भाजपा में मुस्लिम प्रतिनिधित्व की बात की जाए तो 24 के आम चुनाव में भाजपा ने महज एक मुसलमान अब्दुल सलाम को टिकट दी है। अब्दुल सलाम केरल के मलप्पुरम से प्रत्याशी बनाया गया है। 2019 के लोस चुनाव में भाजपा ने आधा दर्जन मुसलमानों को टिकट दी थी। ऐसा नहीं है कि मुसलमानों में राजनीतिक काबलियत नहीं है। पिछले चुनाव में 27 मुस्लिम सांसद निर्वाचित हुए थे। 1980 के आम चुनाव में तो 49 मुसलमान जीतकर संसद पहुंचे थे।

जो भाजपा नेता ये सोचते हैं कि मुसलमान भाजपा को वोट नहीं देते शायद वो ये भूल जाते हैं कि मुस्लिम बाहुल्य सीटों से आखिर भाजपा जीतती कैसे है। मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र सहित देश के अन्य राज्यों के मुस्लिम बाहुल्य विधानसभा क्षेत्रों का रिकार्ड उठाकर देखा जाए तो साफ हो जाता है कि कई मुस्लिम सीटों पर भाजपा प्रत्याशी जीतें हैं वो भी खासी बढ़त से। बावजूद इसके कभी मुगलों को लेकर तो कभी पहनावे को लेकर या फिर खान-पान को लेकर मुसलमान निशाने पर रहते हैं। भाजपा या अन्य किसी भी दल का नेता इस तरह से मजहबी तौर पर किसी को निशाना बनाए तो इसे अपरिपक्व माना जा सकता है लेकिन प्रधानमंत्री जैसे ओहदे पर बैठे और खासकर मोदी से मंझे हुए राजनेता से इस तरह की टिप्पणी की उम्मीद तो शायद ही किसी को हो। इस आम चुनाव से पहले तक तो प्रधानमंत्री मोदी हिंदू, हिंदुत्व, मुस्लिम जैसे शब्दों का इस्तेमाल कम ही करते थे, हालांकि वो इशारा जरूर कर देते थे कि किस के लिए क्या कहना चाह रहे हैं। बहरहाल, यदि मोदी कुछ कह रहे हैं तो इसके पीछे जरूर कोई गहरी बात होगी। शायद यही कि भाजपा को बहुसंख्यकों का वोट चाहिए। पार्टी के घोषणा पत्र में योजनाएं-नीतियां और विकास कार्यों का खाका तो है लेकिन हिन्दु-हिन्दुत्व की कसर भाषणों से पूरी की जा रही है। कुल मिलाकर, कांग्रेस, पाकिस्तान, हिन्दु-मुसलमान के बिना ये आम चुनाव भी नहीं होगा.....।

(अधिवक्ता एवं लेखक भोपाल, मप्र)

मतदाता सूची में नाम न हो तब भी कर सकते है मतदान!

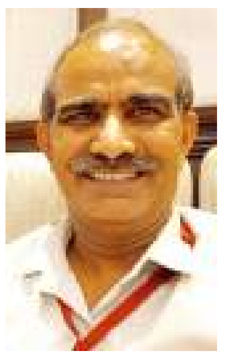

डॉ. श्रीगोपाल नारसन

दैनिक ग्लोबल हेराल्ड

देश मे पहले चरण का लोकसभा चुनाव मतदान 19 अप्रैल को हो रहा है।लोकसभा की 543 सीटों के लिए 97 करोड़ से अधिक मतदाता 10.50 लाख मतदान केंद्रों के माध्यम से विभिन्न चरणों मे मतदान कर सकेंगे।जिसके लिए चुनाव आयोग ने लगभग डेढ़ करोड़ चुनाव अधिकारियों की नियुक्ति की है।मतदान सहज रूप से मतदाताओं को आवश्यक सुविधाओं के साथ सम्पन्न कराया जा सके ,इसके लिए मतदान स्थल पर पेयजल सुविधा, शौचालय, व्हीलचेयर, रैंप, शेड,बिजली आपूर्ति, स्वयं सेवक प्रदत्त किये गए है।देश को मिली आजादी के बाद से अभी तक मतदान के विभिन्न चुनाव में विभिन्न तरीके अपनाये गए है। गांव स्तर से लेकर राज्य और केन्द्र स्तर तक अपना जनप्रतिनिधी चुनने के लिए जो तरीके अपनाये गए उनमें हाथ उठाकर अपना वोट डालने से लेकर ईवीएम वोटिंग मशीन तक का उपयोग मतदाताओं के लिए वरदान बना है। सन 1952 से लेकर साथ के दशक तक गांव में लोग अपना प्रधान व ग्राम सदस्यों का चुनाव हाथ उठाकर करते थे। तब न बैलट पेपर का झंझट था ,न वोटिंग मशीन की जरूरत थी, बस हाथ उठाओं और हो गया वोट । हरिद्वार जिले के गांव खुब्बनपुर निवासी मास्टर सुमन्त सिंह आर्य ने अपनी सरकारी नोकरी के दौरान चार बार ऐसे चुनाव कराये जब वोट बैलट के बजाए हाथ उठाकर दिया गया था। ग्राम सभाओं के ग्राम प्रधान व ग्राम सभा सदस्यो के चुनाव सन 1962 तक हाथ उठाकर ही कराये जाते थे। लेकिन जब हाथ उठाकर वोट देने के कारण लोगो के बीच आपसी राजनीतिक रंजिश बढने लगी तो हाथ उठाकर वोट देने की सरल व सुगम परम्परा को बन्द करना पडा। हालांकि आजादी के पहले तक तो हाथ उठाकर वोट डालने की परम्परा सामान्य थी। लेकिन तब भी कभी बडे सदनो के लिए हाथ उठाकर वोट डालने की प्रक्रिया को नही अपनाया गया।अपने जीवनकाल में स्वाधीनता सेनानी सत्यवती सिन्हा ने अपने अनुभव सुनाते हुए बताया था कि पहले लोग वोट का मतलब तक नही समझते थे ।एक बार जब वे लोगो को एक पार्टी विशेष के पक्ष में वोट डालने के लिए कहने गई और उन्हे उस समय के चुनाव चिन्ह बैलो की जोडी के बारे में बताया तो गांव की महिलाओं ने वोट डालने के

लिए मतदान केन्द्र पर जाने के बजाए खेतो में जाकर बैलो की जोडी के सामने पांच पांच पैसे चढा दिये और समझ लिया कि उन्होने मतदान कर दिया है। ग्राम प्रधान रह चुकी कमला बमोला का कहना है कि मतदान के लिए आज भी कई स्थानों पर लोगो को कई कई किमी तक पैदल जाना पडता है जो कि एक गलत व्यवस्था है। उन्होने माना कि चुनाव में काफी सुधार हुए है लेकिन अभी भी चुनाव धन बल की विकृति से मुक्त नही हो पाया है।गरीब व आम आदमी आज भी चुनाव लडने का साहस नही जुटा पाता। ऐसे में कैसे माना जाए कि लोग उस आम जनता में से चुन कर जा रहे है जिनकी संख्या कम से कम नब्ब फिसदी है।इसी कारण 90 प्रतिशत लोग आज भी चुनाव न लड पाने की हैसियत न होने के कारण चुनाव से दूर रह जाते है और जनप्रतिनिधी बनने से वंचित हो जाते है।इसी तरह अन्तर्राष्टीय खिलाड़ी डॉ आदेश कुमार शर्मा इस बात से दुखी है कि चुनाव मैदान में उतरे प्रत्याशी आज भी वोटरो को प्रलोभित कर वोट पाना चाहते है और जब ऐसे लोग चुनाव जीत जाते है तो चुनाव बाद 5 साल तक फिर वे क्षेत्र में नजर नही आते ऐसे प्रत्याशियो को नकारने पर वे जोर देते है । उन्होने चुनाव आयोग द्वारा चुनाव सुधार की दिशा में टी एन शेषन के समय की गई सख्ती का स्वागत किया था। उनकी सोच है कि चुनाव आयोग टीएन शेषन के समय से ही अच्छे रास्ते पर चलने लगा था परन्तु अब फिर उसकी विश्वनीयता ईवीएम पर सवाल उठने के कारण घटने लगी है ।एक बार विधायक या सांसद बनने पर उनकी आय मे कई सौ गुना वृद्धि कैसे हो जाती है इस पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है।चुनाव आयोग द्वारा दिल्ली में पिछले चुनाव में मतदान के दिन कोई भी प्रत्याशी मतदान स्थल से 100 मीटर दूरी तक मतदाताओं को हाथ जोडकर नमस्ते तक नही कर पाया था,यह प्रावधान लोगो को बहुत पसंद आया है।जब आप वोट डालने मतदान केंद्र पर जाए और आपको पता चले कि आपका वोट किसी ने पहले ही डाल दिया है,ऐसी हालत में आप पीठासीन अधिकारी से टेंडर वोट डालने की सुविधा प्राप्त कर सकते है।यदि किसी मतदान केंद्र पर टेंडर वोट कुल मतदान का 40 प्रतिशत से अधिक हो जाए तो वहां पुनः मतदान कराया जाएगा।वही यदि आपका नाम मतदाता सूची में ही न हो तब आप धारा 49 ए के तहत पीठासीन अधिकारी से चुनौती वोट डलवाने का निवेदन कर सकते है।लेकिन यदि आपका नाम मतदाता सूची में न हो और आपके पास मतदाता पहचान पत्र भी न हो,तब भी धारा 8 के अंतर्गत कोई भी पहचान पत्र जिनमे पैन कार्ड,ड्राइविंग लाइसेंस, आधार कार्ड आदि दिखाकर मतदान कर सकते है।यानि मतदान करना प्रत्येक नागरिक का मूलभूत अधिकार है,इसलिए मतदान अवश्य करे।

(लेखक सामाजिक सरोकारों से जुड़े वरिष्ठ पत्रकार है)

व्यापार

दो साल में दिल्ली से गुरुग्राम तक चलेंगी एयर टैक्सी

27 किलोमीटर की दूरी होगी सिर्फ 7 मिनट में तय

नई दिल्ली। दिल्ली देश की राजधानी है और यहां देखने में आत है आए दिन ट्रैफिक जान की स्थिति रहती है। लोग जाम में घंटों फंसे रहते हैं। अब दिल्ली के लोगों को राहत मिलने वाली है। अगले दो सालों में राजधानी दिल्ली में ट्रैफिक का पूरा सीन बदल नजर आ सकता है। आने वाले दिनों में लोग आसमान में उड़ती एयर टैक्सियां देखेंगे।

दरअसल, लो-कॉस्ट एयरलाइन इंडिगो की पैरेंट कंपनी इंटरग्लोब एंटरप्राइजेज और अमेरिका की आर्चर एविएशन कंपनी भारत में ऑल-इलेक्ट्रिक एयर टैक्सी सर्विस शुरू करने की योजना बना रहे हैं। ये भविष्य की एयर टैक्सियां दिल्ली के कनॉट प्लेस से हरियाणा के गुरुग्राम तक यात्रियों को सिर्फ 7 मिनट में पहुंचाएंगी। एयर टैक्सी सर्विस 2026 तक शुरू होने की उम्मीद है। इनसे लोगों को सड़क मार्ग से लगभग 27 किलोमीटर की कनॉट प्लेस से गुरुग्राम के बीच की दूरी सिर्फ 7 मिनट में तय करने की सुविधा मिलेगी।

रिपोर्टों के मुताबिक आर्चर एविएशन ने 200 इलेक्ट्रिक वर्टिकल टेकऑफ एंड लैंडिंग विमान उपलब्ध कराने की घोषणा की है। इन विमानों में से प्रत्येक में 12 रोटर लगाए जा रहे हैं। इनकी कुल लागत लगभग 1 अरब डॉलर या लगभग 8,337 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। इनमें एक पायलट और 4 यात्रियों को बैठाने की क्षमता होगी। ये हेलीकॉप्टरों की तरह काम करेंगे। इनसे शोर कम होगा और यह सुरक्षा की दृष्टि से भी बेहतर होंगे। रिपोर्ट में बताया गया है कि इसकी शुरूआत मुंबई और बेंगलुरु से होने की उम्मीद है। आर्चर एविएशन के संस्थापक और सीईओ एडम गोल्डस्टीन ने बताया है कि वर्तमान में अमेरिकी नियामक संस्था फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) के साथ चर्चा चल रही है। एफएए से प्रमाणन प्राप्त करने के बाद भारतीय विमानन नियामक डीजीसीए अपनी प्रमाणन प्रक्रिया शुरू करेगा।

कनॉट प्लेस से गुरुग्राम के बीच 27 किलोमीटर की यात्रा के लिए लोगों को लगभग 1500 रुपये खर्च करने पड़ते हैं। इसे पूरा करने में लगभग डेढ़ घंटा लगता हैं। यह ट्रैफिक की स्थिति पर भी निर्भर करता है। प्रस्तावित एयर टैक्सी सर्विस का मकसद यात्रियों को कनॉट प्लेस से गुरुग्राम तक सिर्फ 7 मिनट में पहुंचाना है। इसका किराया लगभग 2,000-3,000 रुपये होगा। भारत में यह सेवा 2026 तक शुरू हो जाएगी। इस इलेक्ट्रिक विमान में छह बैटरी पैक होंगे। ये 30-40 मिनट में पूरी तरह चार्ज हो जाएंगे।

कच्चे तेल में मामूली राहत, कुछ राज्यों में बदले पेट्रोल-डीजल के भाव

नई दिल्ली। कच्चे तेल की कीमतों में बुधवार को मामूली राहत देखने को मिल रही है। सुबह डब्ल्यूआईटीआई क्रूड आइल 83.34 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहे थे, जबकि ब्रेंट क्रूड आइल 88.39 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। हालांकि मंगलवार को मजबूत हाजिर मांग के बाद कारोबारियों द्वारा अपने सौदों का आकार बढ़ाने से वायदा कारोबार में कच्चा तेल की कीमत 69 रुपये की तेजी के साथ 6,903 रुपये प्रति बैरल हो गई।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में कच्चे तेल का अप्रैल माह में डिलिवरी होने वाला अनुबंध 69 रुपये की तेजी के साथ 6,903 रुपये प्रति बैरल हो गया। इसमें 4.297 लॉट के लिए कारोबार हुआ। देश की राजधानी दिल्ली में पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर हैं। यहां पेट्रोल 94.72 रुपये लीटर और डीजल 87.62 रुपये लीटर पर स्थिर है। जबकि, मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये लीटर और डीजल 92.15 रुपये और कोलकाता में पेट्रोल 103.94 रुपये और डीजल 90.76 रुपये बिक रहा है। चेन्नई में पेट्रोल-डीजल की कीमत पिछले छह दिनों से स्थिर है। यहां पेट्रोल 100.75 रुपये लीटर और डीजल 92.34 रुपये लीटर हो गया है। झारखंड की राजधानी रांची में पेट्रोल 17 पैसे सस्ता होकर 97.98 रुपये लीटर बिक रहा है। जबकि, डीजल की कीमतों में 17 पैसे की राहत मिली है। यहां डीजल 92.74 रुपये लीटर बिक रहा है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 38 पैसे गिरकर 105.68 रुपये प्रति लीटर पर बिक रहा है जबकि डीजल 36 पैसे महंगा होकर 92.51 रुपये लीटर पर बिक रहा है। जबकि गुजरात के अहमदाबाद में पेट्रोल की कीमत 21 पैसे महंगा होकर 94.65 रुपये हो गई है जबकि, डीजल की कीमत 21 पैसे बढ़कर 90.32 रुपये हो गई है। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर है।

पर्यावरण की सबसे बड़ी समस्या है प्लास्टिक - ठक्कर

मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय में विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर कार्यक्रम संपन्न

भोपाल। मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय में विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में लोकेंद्र ठक्कर, समन्वयक जलवायु परिवर्तन राज्यज्ञान प्रबंधन केंद्र, पर्यावरण विभाग, मध्य प्रदेश शासन उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय तिवारी द्वारा की गई एवं कार्यक्रम संयोजक के रूप में विश्विद्यालय के कुलसचिव डॉ. सुशील मंडेरिया उपास्थित थे। विश्व पृथ्वी दिवस के मौके पर आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है, पृथ्वी पर बढ़ रहे जलवायु प्रदूषण को रोकना। पॉलिथीन हो या प्लास्टिक से जुडी कोई अन्य वस्तु हमारा प्रयास होना चाहिए कि, अगर हम समाज से, पर्यावरण से इसके इस्तेमाल को रोक न पाएं तो कम से कम अपने हाथों इसका इस्तेमाल दिन प्रति दिन काम करते जाएं। इसी सन्दर्भ में आज की चर्चा का विषय रहा प्लेनेट एंड प्लास्टिक ।

कार्यक्रम में विषय प्रवर्तन करते हुए मध्य प्रदेश भोज मुक्त विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. सुशील मंडेरिया ने अपने विचार प्रस्तुत करते हुए कहा कि, प्रकृति जो हमें मिली थी, वह नियोजित थी। किंतु हमने इसे काफी नुकसान पहुँचाया है।

किसान धरती मां का सच्चा सेवक है। शहरीकरण के कारण धरती को लगातार नुकसान पहुंच रहा है। खेती योग्य भूमि सिकुड़ती जा रही है। हरियाली कम होने से धरती का तापमान बढ़ रहा है। हमारे ग्लेशियर पिघल रहे हैं और मरुस्थलीकरण लगातार बढ़ रहा है। भूजल का अधिक दोहन किया जा रहा है। इससे मृदा में नमी की कमी होने से सूक्ष्मजीव नष्ट हो रहे हैं। जिससे हमारे कृषि को नुकसान पहुँच रहा है। खनिज पदार्थों के अधिक दोहन के कारण धरती का तापमान लगातार बढ़ रहा है। इससे हमारी धरती लगातार जख्मी हो रही है। डॉ. मंडेरिया ने कहा कि, भारत के पश्चिमी घाट पर खनिज दोहन के कारण वर्षा चक्र पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। बड़े-बड़े बांध पर्यावरण के लिए अच्छे नहीं हैं, इसका धरती पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता जा रहा है।

इस अवसर पर बहु माध्यमीय शिक्षा विभाग के सह प्राध्यापक डॉ. हेमंत सिंह केसवाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि, पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने में सबसे अधिक योगदान विकसित देशों का है। इसकी अपेक्षा विकासशील देशों का योगदान बहुत कम है। उन्होंने कहा कि, पर्यावरण का नुकसान करने में ग्रामीणों की अपेक्षा शहरी लोगों का ज्यादा योगदान है। भारतीय संस्कृति में विभिन्न प्रकार की वनस्पतियों और वन्य जीवों की पूजा की जाती है। लेकिन भूमंडलीकरण के कारण हम लोग प्रकृति से दूर होते जा रहे हैं।

मुख्य वक्ता लोकेंद्र ठक्कर ने कहा कि, पृथ्वी को बचाने का कार्य हमारा है और यह जिम्मेदारी प्राकृतिक रूप से महिलाओं को अधिक दी गई है। उन्होंने जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण, जैव विविधता की कमी, यह हमारे आज की सबसे बड़ी समस्याएं हैं। हम जानते हैं कि, हमारे आसपास से बहुत सारे पौधे, जीव, जंतु, पशु, पक्षी गायब हो गए हैं। उन्होंने विलुप्त प्रजातियों के विषय पर भी प्रकाश डालते हुए कहा कि, किसी प्रजाति का विलुप्त हो जाना परमाणु युद्ध के बराबर का संकट है। ग्रीन हाउस गैसों के कारण जलवायु परिवर्तन हो रहा है। ठक्कर ने दुबई की बाढ़ का जिक्र करते हुए, जलवायु परिवर्तन पर भी चिंता प्रकट की। हम एक व्यक्ति के तौर पर, समाज के तौर पर, राज्य के तौर पर और देश के तौर पर प्लास्टिक को कम करने के लिए क्या कर सकते हैं ? यह हमें देखना होगा। प्लास्टिक वरदान भी है और अब तो यह अभिशाप बनता जा रहा है। प्लास्टिक आज पर्यावरण की सबसे बड़ी समस्या हो गई है। इसके लिए प्लास्टिक के उपयोग पर प्रतिबंध सम्बन्धी एक अंतरराष्ट्रीय संधि की आवश्यकता है। कुल प्लास्टिक का 40% सिंगल यूज प्लास्टिक है। प्लास्टिक को इस दुनिया से खत्म होने में लगभग 400 साल लग सकते हैं। 50% प्लास्टिक पिछले 20 वर्षों में ही पैदा हुआ है और यह 2050 तक दुगना हो जाएगा। उन्होंने कहा कि, यह सारे प्लास्टिक अंत में जाकरआखिरकार हमारे समुद्रों में जाकर ही पहुंचते हैं। बोतल के पानी में माइक्रो प्लास्टिक होते हैं। जो गर्मी के कारण धीरे-धीरे पानी में घुलता रहते हैं। यही माइक्रो प्लास्टिक हमारे शरीर के में जाकर विभिन्न अंगों में जमा होते हैं। जिससे विभिन्न प्रकार की बीमारियां होती हैं। उन्होंने कहा कि, प्लास्टिक का कचरा बिल्कुल नहीं जलाना चाहिए। क्योंकि प्लास्टिक जलाने से फ्यूरोन्स निकलते हैं। जो की धूल के कणों में चिपक जाते हैं और हमारी सांस के साथ शरीर में जाते हैं। यही हमारी बीमारी का कारण बनते हैं। हमारे विचारों और क्रियाकलापों में दोहरापन है। इस वजह से हम पर्यावरण की चिंता तो करते हैं किंतु, उसे वास्तविकता में लागू नहीं कर पाते। अंत में उन्होंने सभी से आवाहन किया कि, सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल न करें।

मुंबई हाईकोर्ट के फैसले को ऐतिहासिक बताते हुए बोहरा समाज ने जताया सभी का आभार

भोपाल/ मुंबई। दाऊदी बोहरा समुदाय ने सैयदना सैफुद्दीन की नियुक्ति को दी गई चुनौती के मामले में बॉम्बे उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति जी.एस. पटेल द्वारा दिए गए फैसले पर खुशी जाहिर करते हुए इसे समूदाय के लिये एक ऐतिहासिक फैसला बताया है। अपने फैसले में कोर्ट ने दोनों पक्षों द्वारा पेश किये गये साक्ष्यों और तर्कों के आधार पर विचार के बाद यह माना है, कि 52वें अल-दाई अल-मुतलक, सैयदना मोहम्मद बुरहानुद्दीन ने अपने पुत्र, सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन को अपना उत्तराधिकारी और दाउदी बोहरा समाज के 53वें अल-दाई अल-मुतलक के रूप में नियुक्त किया था।

सैयदना सैफुद्दीन की नियुक्ति को दी गई चुनौती और इसके आधार पर पेश किए गए तर्कों के आधार पर अदालत ने अपना फैसला सुनाते हुए मूल वादी खुजेमा कुतुबुद्दीन और वर्तमान वादी उनके पुत्र ताहिर कुतुबुद्दीन के दावों को खारिज कर दिया है।फैसले में कोर्ट द्वारा वादी द्वारा दाऊदी बोहरा धर्म के तथ्यों और धार्मिक सिद्धांतों की गलत व्याख्या और भ्रामक चित्रण को भी सिरे से खारिज कर दिया गया है। फैसले को लेकर बोहरा समाज के प्रवक्ता मुर्तझा सदरीवाला और भोपाल के स्थानीय मीडिया इंचार्ज इब्राहिम अली दाउदी ने कहा कि हम हमेशा से भारतीय न्यायपालिका में विश्वास करते रहे हैं, और हमें उस पर पूरा भरोसा हैं, जिसने बार-बार सैयदना और दाऊदी बोहरा समुदाय की सदियों

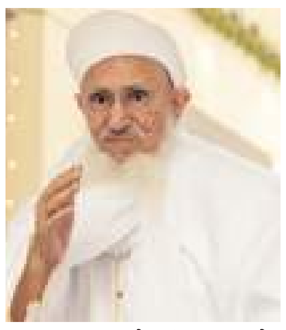

पुरानी मान्यताओं, रीति-रिवाजों, प्रथाओं और सिद्धांतों के स्थान की पुष्टि की है। हम इस अवसर पर बॉम्बे उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति गौतम पटेल को पिछले 10 सालो से इस जटिल मामले की धैर्यपूर्वक सुनवाई करने और निर्णय देने में जितना समय लगा, उतना समय देने के लिए धन्यवाद देते हैं। उन्होनें आगे कहा कि हम स्वर्गीय इब्राहिम ए.के. फैजुल्लाभॉय के नेतृत्व में अपने सभी सॉलिसिटरों और अधिवक्ताओं के प्रति भी आभार और धन्यवाद व्यक्त करते हैं, साथ ही आर्गस पार्टनर्स की टीम, जिसमें वरिष्ठ भागीदार अबीजार इब्राहिम फैजुल्लाभॉय, भागीदार मुर्तजा कचवाला, वरिष्ठ सहयोगी जैशा सबावाला के साथ आर्गस पार्टनर्स और अन्य जो कानूनी फर्मों के अन्य अधिवक्ता शामिल हैं, जिन्होंने समय-समय पर हमारी ओर से इस मामले में भाग लिया है। उनका ओर उन सभी गवाहों का जिन्होंने इस मामले में परम पावन सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन की ओर से साक्ष्य दिए, जिनकी गवाही अनुकूल निर्णय प्राप्त करने का आधार बनी को भी धन्यवाद देते है।

लोकसभा चुनाव की दूसरी ट्रेनिंग आज से

भोपाल। भोपाल के 10 हजार से ज्यादा कर्मचारियों को 25 से 30 अप्रैल तक लोकसभा चुनाव की दूसरी ट्रेनिंग दी जाएगी। 7 सेंटरों पर वे ईवीएम, मॉक पोल, वोटिंग, मतदान सामग्री लेने से लेकर जमा कराने तक बारिकियां सीखेंगे। ट्रेनिंग में उन्होंने क्या सीखा इसका भी वे एग्जाम भी देंगे। परीक्षा में फेल होने वाले कर्मचारी को अगले दिन फिर से ट्रेनिंग दी जाएगी। पी-2 और पी-3 लेवल के कर्मचारियों की यह फाइनल ट्रेनिंग होगी। भोपाल के कुल 2034 मतदान केंद्रों पर 7 मई को वोटिंग होगी। इसके लिए कर्मचारियों की ड्यूटी भी लगाई गई है। इसलिए उन्हें ट्रेनिंग दी जा रही है। दूसरी ट्रेनिंग 25 अप्रैल से शुरू होगी। जिसमें 10 हजार 66 कर्मचारी ट्रेनिंग लेंगे। हर दिन एवरेज 1700 कर्मचारियों को ट्रेनिंग दी जाएगी। कुल 72 मास्टर ट्रेनर्स उन्हें ट्रेनिंग देंगे। इनमें ईवीएम मास्टर ट्रेनर्स भी शामिल हैं। सहायक नोडल अधिकारी संदीप कुमार श्रीवास्तव ने बताया, 7 सेंटरों पर पीओ, पी-1, पी-2 और पी-3 लेवल के कर्मचारियों को ट्रेनिंग मिलेगी। इनमें से पी-2 और पी-3 कर्मचारियों की यह फाइनल ट्रेनिंग होगी।

244.55 करोड़ की नकदी और अन्य सामग्रियां जब्त

भोपाल। लोकसभा चुनाव के लिए बनाई गई जांच कमेटियों ने अब तक 2019 के लोकसभा चुनाव के मुकाबले 244.55 करोड़ की नकदी और अन्य अवांछित सामग्रियां जब्त की हैं। यह पांच साल पहले आचार संहिता लागू रहने के दौरान की गई कार्रवाई का तीन गुना है। सबसे अधिक 33.77 करोड़ रुपए की शराब की जब्ती की गई है। चुनाव के दूसरे चरण के मतदान के 48 घंटे पहले इस जांच में और सख्ती बरतने के निर्देश मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने दिए हैं।

लोकसभा चुनाव के लिए आचार संहिता लागू होने के बाद पुलिस एवं अन्य एन्फोर्समेंट एजेंसियों द्वारा लगातार अंतर्राज्यीय नाकों और राज्य के भीतर बनाए गए 871 नाकों के माध्यम से जांच पड़ताल कराई जा रही है। इन जांच टीमों ने 16 मार्च से 22 अप्रैल तक 19 करोड़ 54 लाख 85 हजार 81 रुपए नकदी जब्त की है और अन्य मामलों में की गई जब्ती को मिलाकर कुल 244 करोड़ 55 लाख 10 हजार 762 रुपए की सामग्रियां जब्त की गई हैं। इसके पहले 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान 85 करोड़ 12 लाख रुपए मूल्य की सामग्रियां जब्त की गयी थीं।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन के अनुसार मात्र 37 दिन में ही पिछले लोकसभा निर्वाचन की तुलना में लगभग तीन गुना अधिक मूल्य की विभिन्न अवांछित सामग्री की जब्ती की जा चुकी हैं। सीईओ राजन के अनुसार जांच पड़ताल के दौरान आचार संहिता लागू होने के बाद से 22 अप्रैल तक 22 लाख 72 हजार 657 लीटर से अधिक मदिरा भी जब्त की गयी है, जिसका मूल्य 33 करोड़ 77 लाख 34 हजार 911 रुपए है। इसी तरह 22 करोड़ 23 लाख 46 हजार 953 रुपए मूल्य के 16 हजार 715 किलोग्राम से अधिक ड्रग्स और 11 करोड़ 59 लाख 64 हजार 619 रुपये मूल्य की 2 हजार 144 किलोग्राम से अधिक कीमती धातुएं भी जब्त की गई हैं। साथ ही 157 करोड़ 39 लाख 79 हजार 198 रुपए मूल्य की अन्य मूल्यवान सामग्री भी जब्त की गई हैं।

इस मामले में झाबुआ से गुजरात जा रही एक बस में मिले एक करोड़ 28 लाख रुपए के नोटों का मामला अभी भी पेंडिंग है। यह राशि एमपी से गुजरात बोरों में भरकर ले जाई जा रही थी। दस दिन पहले जब्त की गई इस राशि को लेने के लिए अब तक कोई भी पुलिस और प्रशासन के अफसरों के सामने नहीं आया है।

वेंडर का कारनामा, 50 रुपये के स्टांप को बनाया एक हजार का

50 रुपये के स्टांप का प्रिंट निकालकर कर दिया बदलाव

भोपाल। प्रदेश के जबलपुर शहर में एक वेंडर का कारनामा इन दिनों सुर्खियों में है। वेंडर ने 50 रुपये के स्टांप में छेडछाछाड कर एक हजार का बना दिया। वेंडर ने 50 रुपये के स्टांप को पहले प्रिंट कर निकाला और फिर उसमें बदलाव कर उसे एक हजार का स्टांप बना दिया। जैसे ही यह जानकारी ग्राहक को लगी तो उसने इसकी शिकायत पंजीयक से की, जिसके बाद स्टांप की जांच में शिकायत सही पाई गई। इधर पंजीयक ने स्टांप वेंडर का लाइसेंस रदद कर दिया है और इसकी शिकायत मंझोली थाने में दर्ज कराई है।

जानकारी के अनुसार सुखदेव राय नामक स्टांप वेंडर ने यह कारनामा किया। उसने मंझोली तहसील के अधिवक्ता रविशंकर पटेल को यह फर्जी स्टांप दिया। अधिवक्ता ने इसकी शिकायत पंजीयक से की, जिसके बाद मंझोली थाने में इसकी शिकायत दर्ज करवाई गई हैं। दरअसल स्टांप वेंडर ने सौ रुपए से अधिक के स्टाम्प को ई- स्टाम्प के जरिए देना शुरू कर दिया हैं। स्टाम्प वेंडर सुखदेव राय ने ऑनलाइन 50 रुपए का स्टांप का प्रिंट निकलवाया और फिर उसमें हेराफेरी कर 50 रुपए की जगह उसमें एक हजार रुपए में दिख दिया। सुखदेव राय ने 50 रुपए के स्टाम्प में छेड़खानी करते हुए उसके प्रिंटर के माध्यम से एक हजार रुपए कर दिया था। इधर अधिवक्ता रवि पटेल ने जब यह फजीर्वाड़ा पकड़ा और तीन स्टाम्प पंजीयक को देकर इसकी शिकायत की। स्टाम्प विक्रेता सुखदेव राय ने प्रिंटर के माध्यम से प्रिंट करवाया और उसे एक हजार रुपए के स्टाम्प में बदल दिया।

मंदसौर में पुलिस ने पकडे 1 करोड़ रुपये, चार किलो चांदी

भोपाल। प्रदेश के मंदसौर जिले की नई आबादी पुलिस ने महू-नीमच राजमार्ग पर चलाए जा रहे जांच अभियान में एक कार से 1.03 करोड़ रुपये व चार किलो चांदी जब्त की हैं। पुलिस ने यह मामला आयकर विभाग को सौंप दिंया है।

पुलिस के अनुसार कार में रखा रुपया मंदसौर के अजय बाकलीवाल, विशाल सोनी का है। इस रुपये से बिना टैक्स वाला सोना लेकर आते और मंदसौर में बेचते। विशाल सोनी पहले भी चांदी लाने ले जाने में पकड़ा जा चुका है। कार में विशाल सोनी भी सवार था वह रतलाम से मनीष और इंदौर के राजेश पंडित के साथ मुंबई जाता और एक करोड़ रुपये का सोना लेकर आता। पुलिस ने मामला आयकर विभाग को सौंप दिया है। अब चुनाव की आचार संहिता के दौरान गठित एफएसटी, नोडल अधिकारी व आयकर विभाग अपने-अपने स्तर पर इसकी जांच करेंगे। प्रारंभिक पूछताछ में कार सवार विशाल सोनी ने पहले तो मुंबई में शादी में जाने की बात कही। पर रुपयों व चांदी को लेकर कोई वैध दस्तावेज नहीं बता पाया तो पुलिस थाने लाई। पुलिस ने मामले में आगे की जांच आयकर विभाग को सौंपी है। अब विभाग नोटिस देकर बुलाएगा उसके बाद आगे की कार्रवाई होगी। इधर आयकर विभाग, एफएसटी और नोडल अधिकारी भी पूछताछ करेंगे। टीआई वरुण तिवारी ने बताया कि अभी तक की जांच में एक करोड़ रुपये सराफा व्यवसायी अजय बाकलीवाल व विशाल सोनी के हैं। रुपये लेकर विशाल सोनी रतलाम के मनीष भरकट व इंदौर के छोटा सराफा के राजेश पंडित के साथ मुंबई जाता। वहां से तस्करी का सोना खरीदकर लाना था। विशाल सोनी का नाम पहले भी इंदौर में सोने के बिस्किट की अवैध बिक्री में आ चुका हैं। इसके अलावा वह वर्ष 2004 में दलौदा और कुछ साल पहले भीलवाड़ा में भी चांदी का अवैध परिवहन करते हुए पकड़ाया था।नई आबादी टीआई वरुण तिवारी ने बताया कि सोमवार रात में महू-नीमच राजमार्ग पर नयाखेड़ा के यहां लोकसभा चुनाव के चलते नियमित जांच की जा रही थी। इसी दौरान कार एमएच 47 बीपी 4087 को रोककर जांच की। कार में सराफा व्यवसायी विशाल पुत्र मनोहरलाल सोनी, उसकी पत्नी और चालक मुकेश पुत्र औंकारलाल धनगर निवासी कचनारा सवार थे। तलाशी के दौरान कार की सीट के नीचे बना रखे विशेष साकेट में प्लास्टिक की 8-10 थैली में रखे हुए 1.03 करोड़ रुपये और 4 किलो चांदी मिली। पुलिस ने कार सहित नकदी व चांदी बरामद कर ली।

मंगलसूत्र और केंचुआ का ध्यान योग....

राकेश अचल

केंचुआ हो या चौकीदार यदि अपना काम मुस्तैदी से न करे तो देश का अहित होता है। देश का ही नहीं देश की राजनीति का,सामाजिक तानेबाने का भी अहित होता है। लेकिन होता है तो होता रहे । केंचुआ अपनी ध्यानमुद्रा का त्याग नहीं कर सकता। उसके लिए मौन रहना ही देश हित है भले ही लोकसभा चुनाव के दौरान आदर्श आचार संहिता का चीर-हरण कोई भी कर ले जाय। अबकी चीरहरण का आरोप विश्वगुरु और हमारे लोकप्रिय प्रधानमंत्री जी के ऊपर लगा है ।इसके लिए उन्होंने पहली बार सनातनी महिलाओं के मंगलसूत्र का इस्तेमाल किया है।

माननीय प्रधानमंत्री जी ने अपने संयम पर लगे अलीगढ़ के ताले को अलीगढ़ की एक चुनावी रैली में खोला और बोला कि -कांग्रेस और आईएनडीआईए गठबंधन की नजर अब आपकी कमाई पर है, आपकी संपत्ति पर है। कांग्रेस के शहजादे का कहना है कि उनकी सरकार आई, तो कौन कितना कमाता है, किसके पास कितनी प्रॉपर्टी है, उसकी जांच कराएंगे। इतना ही नहीं, वो आगे कहते हैं कि ये जो संपत्ति है, उसको कब्जे में लेकर सरकार सबको बांट देगी। ये उनका मेनिफेस्टो कह रहा है। अब इनकी नजर कानून बदलकर, हमारी माताओं-बहनों की संपत्ति छीनने पर भी है। इनकी नजर अब उनके मंगलसूत्र पर है।

मुझे लगता है कि जब प्रधानमंत्री जी ने ये सब कहा है तो उनके भक्तों में तो खलबली मच ही गयी होगी । जो काम बजरंगबली नहीं कर पाए उसे करने का बीड़ा माननीय प्रधानमंत्री जी ने उठाया है। ये प्रधानमंत्री जी ही कर सकते हैं,क्योंकि उनके पास 56 इंच का सीना है जिसे वे पिछले चुनाव में बजरंगबली की तरह जनता को खोलकर दिखा चुके हैं। उनके सीने में सनातन है ,हिन्दू राष्ट्र है । एक निशान,एक विधान है ,लेकिन मुसलमान नहीं है । कांग्रेस नहीं है भ्रष्ट कांग्रेसी हैं । वे 140 करोड़ की आबादी वाले देश में रहने वाले 20 करोड़ मुसलमानों को अलग रखकर देश चलाना चाहते हैं। उनकी कोशिश है कि उनके अंधभक्तों का मंगलसूत्र खतरे में न पड़े भले ही देश की साझा संस्कृति और विरासत का भट्टा बैठता है तो खूब बैठ जाए। माननीय ने अपनी बात अलीगढ़ के बाद राजस्थान में भी दोहराई। गनीमत है कि वहां उन्होंने महिलाओं से ये नहीं कहा की उनका गोरला भी खतरे में है। मोदी जी हर खतरे से वाकिफ है। उन्होंने भले ही अपने घर के मंगलसूत्र को तवज्जो न दी हो लेकिन वे देश की बहुसंख्यक महिलाओं के मंगलसूत्र का ध्यान रखते हैं। यदि वे तीसरी बार सत्ता में आये तो देश में मंगलसूत्र सुरक्षा कानून भी ला सकते हैं ,नारी शक्ति वंदना कानून की तर्ज पर। माननीय प्रधानमंत्री जी के भाषण से उनके अन्धभक्तों को खुश होना था ,सो वे हुए ही होंगे,किन्तु कांग्रेस और देश के अल्पसंख्यक दुखी जरूर हो गए । कांग्रेस ने तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दिए भाषण को भद्दा, गैरकानूनी और संविधान की आत्मा के खिलाफ बताते हुए चुनाव आयोग से मोदी जी के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। प्रधानमंत्री पर आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने का आरोप लगाते हुए पार्टी ने कहा है कि मोदी जी ने अपने पद की गरिमा के प्रतिकूल एक विशेष धार्मिक समुदाय को लक्ष्य कर विभाजनकारी, दुर्भावनापूर्ण और झूठा बयान दिया है और चुनाव आयोग का दायित्व है कि वह बड़े ओहदे के प्रभाव से मुक्त होकर कानून सम्मत उचित कार्रवाई करे। लगता है कि कांग्रेस अभी तक देश के केंद्रीय चुनाव आयोग अर्थात केंचुआ को पहचान नहीं पाई है ? भला कोई अपने स्वामी के खिलाफ कार्रवाई करता है ? केंचुआ तो केवल और केवल विपक्ष के खिलाफ कार्रवाई के लिए बना है ,और ये काम वो बाखूबी कर रहा है। केंचुआ ने बिना कोई भाषण दिए राहुल गांधी नाम के एक नेता को एडवाइजरी जारी की थी। केंचुआ ने एक कांग्रेसी नेता को 48 घंटे के लिए चुनाव प्रचार करने से रोका भी। लेकिन केंचुआ से ये अपेक्षा करना उसके साथ ज्यादती है कि वो माननीय प्रधानमंत्री जी के खिलाफ कोई कार्रवाई करे या उन्हें हटके यानि एडवाइजरी जारी करे। केंचुआ को पता है कि मालिक हो या राजा कभी कोई गलती नहीं करता ।यदि करता है तो उसे अनदेखा करने में ही राष्ट्रहित है। आप मानें या न मानें किन्तु मै अपने प्रिय प्रधानमंत्री मोदी जी को इस दशक का सत्यवादी हरिश्चंद्र मानता हूँ। वे कभी झूठ नहीं बोलते । उन्हें नागपुर वालों ने कभी झूठ बोलना सिखाया ही नही। वे देश के अल्पसंख्यकों के पक्के हितेषी हैं। उन्हें जबरन मुसलमानों,सिखों ,ईसाइयों का शत्रु माना जाता है। वे खुद कहते हैं कि तीन तलाक से पीड़ित कितनी ही बेटियों का जीवन तबाह हो गया था। अब मोदी ने तीन तलाक के खिलाफ कानून बनाकर उनका जीवन सुरक्षित किया है। आज न सिर्फ भारत का हज कोटा बढ़ा है बल्कि वीजा नियमों को भी आसान बनाया गया है। सरकार ने महिलाओं को बिना महरम हज जाने की अनुमति भी दी है। कांग्रेस और सपा जैसी पार्टियों ने हमेशा तुष्टिकरण की राजनीति की और मुसलमानों के राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक उत्थान के लिए कभी कुछ नहीं किया। जब मैं पसमांदा मुसलमानों की मुसीबत की चर्चा करता हूं, तो इनके बाल खड़े हो जाते हैं क्योंकि ऊपर के लोगों ने मलाई खाई और पसमांदा मुसलमानों को कुछ नहीं मिला। देश के अल्पसंख्यकों को मोदी जी की बात मानना और समझना चाहिए। मोदी जी उनके लिए मोदी भाईजान हैं। और भाईजान से कभी कोई नफरत करता है भला ? राहुल तो राहुल भाईजान नहीं बन पाए। अलबत्ता मोदी जी और उनकी पार्टी अल्पसंख्यकों को चुनाव में टिकट देकर परेशां नहीं करना चाहते । मोदी जी को पता है कि अल्पसंख्यकों के पास चुनाव लड़ने के लायक न पैसा है और न वोट बैंक । वे चुनाव लड़कर करेंगे भी क्या ? उनके लिए जितना मोदी जी और उनकी पार्टी सोच सकती है उतना तो वे खुद अपने लिए नहीं सोच सकते। वे खामखां मोदी जी से दूर खड़े होना चाहते हैं। कांग्रेस को मुगालते में नहीं रहना चाहिये । मोदी जी की शिकायत केंचुआ से नहीं करना चाहिये । मोदी जी के खिलाफ शिकायत करना अपना वक्त जाया करने जैसा है। केंचुआ का दफ्तर नक्कारखाना है। वहां तूतियों की आवाज नहीं सुनी जाती। कांग्रेस के पास कोई नक्कारा [नगाड़ा] है नहीं जो बजाकर केंचुए को नींद से ध्यान से बाहर लाया जा सके। बेहतर हो कि कांग्रेस अपना काम करे और मोदी जी को अपना काम करने दे। मोदी जी मोदी जी हैं उन्हें न बदला जा सकता है और न सुधारा जा सकता है। मोदी युगावतार हैं ,उन्हें अवतार की तरह ही लेना चाहिए। उनके मुंह से जो भी निकले उसे ब्रम्हवाक्य नहीं बल्कि संविधान का एक अनुच्छेद समझकर उसका सम्मान किया जाना चाहिए। मोदी जी ने यदि देश की सनातन महिलाओं के मंगलसूत्र पर खतरा बताया है तो खतरा होगा। अब महिलाएं या तो अपना मंगलसूत्र बैंक के लाकरों में रख दें या उसे बेचकर कुछ और खरीद लें। कांग्रेस को पता नहीं है कि मोदी जी की याददाश्त कितनी बेहतर है। उन्हें डॉ मनमोहन सिंह का 18 साल पुराना बयान ही याद नहीं है बल्कि उन्हें तो अपने जन्म के पहले की सारी कहानियां याद हैं। वे कांग्रेस से ज्यादा कांग्रेस के बारे में और महात्मा गाँधी से ज्यादा महात्मा गांधी के बारे में जानते हैं। वे इनसाइक्लोपीडिया हैं सियासत के। उन्हें चुनौती नहीं दी जा सकती।वे गंगापुत्र हैं। वे बाबा विश्वनाथ के शिष्य हैं। वे भारत का भविष्य हैं ,अतीत हैं और वर्तमान भी है। यानि मोदी जैसा न भूतो ,न भविष्यति ।वे जो कर सकते हैं और कोई नहीं कर सकता। इसलिए उन्हें बोलने दीजिये ,जमकर बोलने दीजिये। पता नहीं भगवान इस चुनाव के बाद बोलने का मौका दे भी या नहीं। उनकी बोलती बंद करना इस देश के विपक्ष और देश के मतदाताओं के बूते की बात नहीं है। वे ही सबकी बोलती बंद करने का हुनर जानते हैं। जय मोदी ,जय नमोदी।

मनोरंजन

मनीषा कोईराला को है अपने फैसले पर पछतावा

दिल तो पागल है आज से 37 साल पहले रिलीज हुई थी, जिसमें शाहरुख खान, माधुरी दीक्षित और करिश्मा कपूर स्टार थे। उस जमाने में इस फिल्म ने सफलता के ऐसे झंडे गाड़े थे, कि लोग आज भी याद करते हैं। इस फिल्म के गानों के साथ-साथ डायलॉग तक सबको जैसे रट गए थे। यहां एक राज की बात आपको बताएं कि यश चोपड़ा अपनी इस फिल्म में करिश्मा कपूर की जगह मनीषा कोइराला को कास्ट करना चाह रहे थे। उन्होंने एक्ट्रेस को ऑफर भी दे दिया था, लेकिन मनीषा ने खुद ही उन्हें मना कर दिया था। मनीषा को बाद में अपने इस फैसले पर बहुत पछतावा भी हुआ। मनीषा के मना करने वाले फैसले की वजह माधुरी दीक्षित बताई जाती हैं। फिलहाल बतला दें कि मनीषा कोईराला को संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज हीरामंडी में देखा जाएगा। यह शो 1 मई को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने जा रहा है।

मनोज बाजपेयी का गुस्सा

यूं तो बॉलीवुड अभिनेता मनोज बाजपेयी बहुत ही शांत स्वभाव वाले गंभीर व्यक्तित्व के दिग्गज कलाकारों में शुमार किए जाते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि वो अपने करीबी दोस्तों से लड़ाई-झगड़े के कारण भी खबरों में बने रहे हैं। दरअसल मनोज का गुस्सा ऐसा है कि वो कंट्रोल ही नहीं कर पाते हैं, हद ये है कि एक बार तो फिल्म मेकर तिग्मांशु धूलिया के पीछे वो ईंट लेकर दौड़े थे। यही नहीं उन्होंने एक बार गुस्से में हंसल मेहता को गालियां भी दीं थीं। अनुराग कश्यप के साथ तो ऐसा कुछ हुआ था कि 11 साल तक उन्होंने बातचीत नहीं की। इस प्रकार एक तरफ जहां मनोज बाजपेयी अपनी एक्टिंग के लिए जाने जाते हैं वहीं उनका गुस्सा भी उन्हें लाइमलाइट में ले ही आता है। दरअसल अनुराग कश्यप मनोज बाजपेयी अच्छे दोस्तों में शुमार होते हैं। अनुराग भी कहते हैं कि मनोज का गुस्सा बिहार से लेकर महाराष्ट्र तक और बेतिया से लेकर मुंबई तक सब जानते हैं। मनोज के इसी व्यवहार की वजह से उन्होंने 11 साल तक उनसे बात नहीं की थी।

सीता का किरदार निभाएंगी कियारा साध

नितेश तिवारी की रामायण को लेकर जो अपडेट्स सामने आए हैं, उनके मुताबिक इसकी कास्ट में हर दिन नए नाम जुड़ रहे हैं। ऐसे में अब एक और नए कलाकार का नाम भी जुड़ गया है। नितेश तिवारी की रामायण में पंड्या स्टोर की छोटी नताशा यानी कियारा साध छोटी सीता का रोल प्ले करेंगी। बताते चलें कि नितेश तिवारी की रामायण हाल ही में भारतीय सिनेमा में सबसे चर्चित फिल्मों में से एक हो गई है। फिल्म के कलाकारों ने बड़े पैमाने पर हलचल पैदा कर रखी है। इस फिल्म में रणबीर कपूर को भगवान राम, साई पल्लवी को सीता और यश को रावण की भूमिका में दिखाया जाना है। वैसे फिलहाल अभी यश को लेकर कुछ खास अपडेट नहीं है कि वो रावण बनेंगे भी या नहीं। बहरहाल फिल्म में बाल कलाकार कियारा साध युवा सीता की भूमिका निभाते दिख सकती हैं।

चहल को नहीं शामिल करने का दुख हमेशा रहेगा : हेसन

नई दिल्ली। राजस्थान रॉयल्स की ओर से इस आईपीएल सत्र में शानदार गेंदबाजी कर पर्पल कैप के दावेदार बने युजवेंद्र चहल ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा है। टीम इंडिया से बाहर चल रहे चहल अपने इस प्रदर्शन से जहां टी20 विश्वकप के लिए भी जगह के दावेदार बन गये हैं। वहीं रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के पूर्व क्रिकेट निदेशक माइक हेसन भी इस बात को लेकर पछता रहें हैं कि उन्होंने पिछली बार हुई नीलामी में क्यों इस स्पिनर को शामिल नहीं किया था। हेसन ने कहा है कि चहल को टीम में नहीं रखने का उन्हें अब भी दुख है। हेसन ने कहा कि तब आईपीएल की नीलामी में गलत आंकलन के कारण ही वह इस लेग स्पिनर को टीम में नहीं रख पाये थे। चहल आईपीएल में इस बार 200 विकेट वाले आईपीएल इतिहास के पहले गेंदबाज भी बने हैं।

हेसन ने पूर्व भारतीय बल्लेबाज रोबिन उथप्पा से बात करते हुए कहा, ह्यचहल एक ऐसा खिलाड़ी है जिसे लेकर मैं तब तक निराश रहूंगा जब तक कि मैं अपना करियर समाप्त नहीं कर लेता और शायद उसके बाद भी। वह एक उत्कृष्ट गेंदबाज है। मुझे लगता है कि जब हर चक्र की बात आती है तो आपको यह तय करना होता है कि आप किसे रिटेन (बरकरार) रखना चाहते हैं।

उन्होंने कहा, ह्यअगर आप केवल तीन खिलाड़ियों को रिटेन करते हैं तो आप नीलामी में चार करोड़ रुपए अतिरिक्त लेकर जाते हैं। इससे संभावित रूप से हमें हर्षल पटेल और चहल दोनों को खरीदने का अवसर मिलता। हेसन ने कहा कि चहल का नाम नीलामी में काफी देर से आया और तब तक फ्रेंचाइजी ने पहले ही श्रीलंकाई स्पिनर वानिंदु हसरंगा को खरीद लिया था। उन्होंने कहा, ह्यजब नीलामी का क्रम आया और उसमें चहल 65वें नंबर पर था। चहल के बाद कोई और स्पिनर नहीं था जिसमें हमारी दिलचस्पी थी। हेसन ने कहा, ह्यअगर हमें चहल नहीं मिलता तो हम स्पष्ट रूप से एक अन्य विकल्प के रूप में हसरंगा में रुचि रखते थे।

ब्रिटेन में चीन के शी जियाहुवाई वेल्स के मार्क विलियम्स से विश्व स्नूकर चैम्पियनशिप में मिले।

लीवर कप के बाद नहीं खेलेंगे नडाल

बार्सिलोना। स्पेन के टेनिस स्टार रफेल नडाल ने कहा है कि 2024 एटीपी टूर उनका आखिरी साल हो सकता है। नडाल के अनुसार वह सितंबर में बर्लिन में लीवर कप के बाद नहीं खेलेंगे। ऐसे में ये उनका अंतिम टूनार्मेंट हो सकता है। नडाल 22 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन रहे हैं। इससे पहले उन्होंने पिछले सप्ताह ही बासीलोना ओपन में एलेक्स डि मिनोर के खिलाफ दूसरे दौर में हार के बाद कहा था कि यह शायद यहां उनका अंतिम मैच था। नडाल ने बासीलोना में अब तक 12 बार खिताब जीते हैं। इस खिलाड़ी ने कहा, अपने करियर के इस चरण में मैं वास्तव में वहां जाना चाहता हूं और मुझे दिए गए हर अवसर का अधिक से अधिक लाभ उठाना चाहता हूं। फिट नहीं होने से उन्होंने इस साल केवल पांच प्रतिस्पर्धी मैच खेले हैं। गौरतलब है कि लीवर कप एक इनडोर हार्डकोर्ट पुरुष प्रतियोगिता है जो गोल्फ के राइडर कप के समान प्रारूप में विश्व टीम और यूरोप टीम के बीच खेला जाता है। नडाल ने कहा, ह्यह्यमैं टीम यूरोप के लिए बर्लिन में लीवर कप खेलने को लेकर बहुत खुश हूं। उन्होंने कहा, मेरे पास लीवर कप के अनुभवों की कुछ विशेष यादें हैं जिनमें दो साल पहले अंतिम बार रोजर फेडरर के साथ खेलना भी शामिल है। नडाल को तब फेडरर ने अपना जोड़ीदार बनाया है।

रोहित-कोहली टी20 विश्वकप में पारी की शुरूआत करे : गांगुली

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने विराट कोहली की जमकर सराहना करते हुए कहा है कि उन्हें टी20 विश्वकप में रोहित शर्मा के साथ पारी की शुरूआत करनी चाहिये। गांगुली

ने कहा कि विराट में 40 गेंदों में ही शतक लगाने की क्षमताएं हैं। विराट ने इस आईपीएल सत्र में तेजी से खेलते हुए सबसे अधिक रन बनाये है पर इसके बाद भी उनके स्ट्राइक रेट पर सवाल उठे हैं। कोहली ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 67 गेंदों में 100 रन बनाए थे पर इसके बाद भी कहा गया कि उनका स्ट्राइक रेट कम है। इस पर गांगुली ने कहा, ह्यविराट के पास 40 गेंदों में 100 रन बनाने की भी क्षमताएं है। साथ ही कहा कि भारतीय टीम को टी20 विश्व कप में जीत के लिए उस प्रकार के सलामी बल्लेबाजों की जरुरत है जो मैदान में उतरते ही बड़े शॉट लगा सकें। इसके बाद दिखेगा कि पांच से छह ओवर के बाद क्या होगा। ऐसे में कोहली-रोहित से पारी की शुरूआत करना सबसे बेहतर फैसला रहेगा।

गांगुली का मानना है चयन समिति, कोच राहुल द्रविड़ और रोहित टी20 विश्व कप के लिए टीम के सबसे बेहतर खिलाड़ियों का चयन करेंगे। उन्होंने कहा, ह्यअगर आप मुझसे पूछें और यह सिर्फ मेरी निजी राय है और मैं यह नहीं कह रहा हूं कि चयनकताओं को ऐसा ही करना चाहिए क्योंकि टीम संयोजन को लेकर आखिरी फैसला उनका ही होता है।

गांगुली ने कहा कि टी20 विश्व कप का चयन आईपीएल के केवल एक चरण पर आधारित नहीं होना चाहिए। आपको हर प्रदर्शन को देखना चाहिये। एक अच्छी टीम में अनुभवी और युवा खिलाड़ियों का बेहतर संतुलन होता है। भारत के पास अभी कई अनुभवी खिलाड़ी और युवा खिलाड़ी है।

स्टोइनिस ने बनाया रिकार्ड

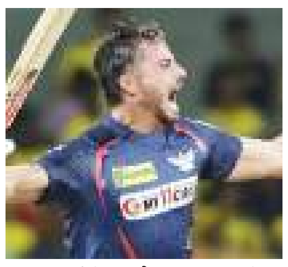

चेन्नई। मार्कस स्टोइनिस के शानदार शतक से लखनऊ सुपर जायंट्स ने यहां एमए चिदंबरम स्टेडियम में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को हरा दिया। इस मैच में शतकीय पारी खेलने के साथ ही स्टोइनसि ने एकसाथ दो रिकार्ड बनाये हैं। सीएसके से मिले 211 रनों के टारगेट का पीछा करते हुए स्टोइनसि ने 124 रनों की नाबाद पारी खेलकर अपनी टीम को जीत दिलायी। स्टोइनसि ने 63 गेंदों पर13 चौके और 6 छक्के लगाये। स्टोइनिस अब आईपीएल में लक्ष्य का पीछा करते हुए सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गये हैं। इससे पहले आईपीएल में साल 2011 में सीएसके के खिलाफ पंजाब के पॉल वल्थाटी ने नाबाद 120 रन रन बनाये थे। स्टोइनिस ने इसके अलावा आईपीएल में सीएसके के खिलाफ सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर बनाने के मामले में वीरेंद्र सहवाग को भी पीछे छोड़ दिया है।

लखनऊ सुपर जायंट्स टीम ने भी इस मैच में 211 रनों का लक्ष्य हासिल कर एक रिकार्ड बनाया। ये चेन्नई मैदान पर हासिल किया गया सबसे बड़ा लक्ष्य है। इसके साथ ही साल 2012 में आरसीबी के खिलाफ सीएसके द्वारा बनाया गया 206 रनों का चेज भी पीछे रह गया।

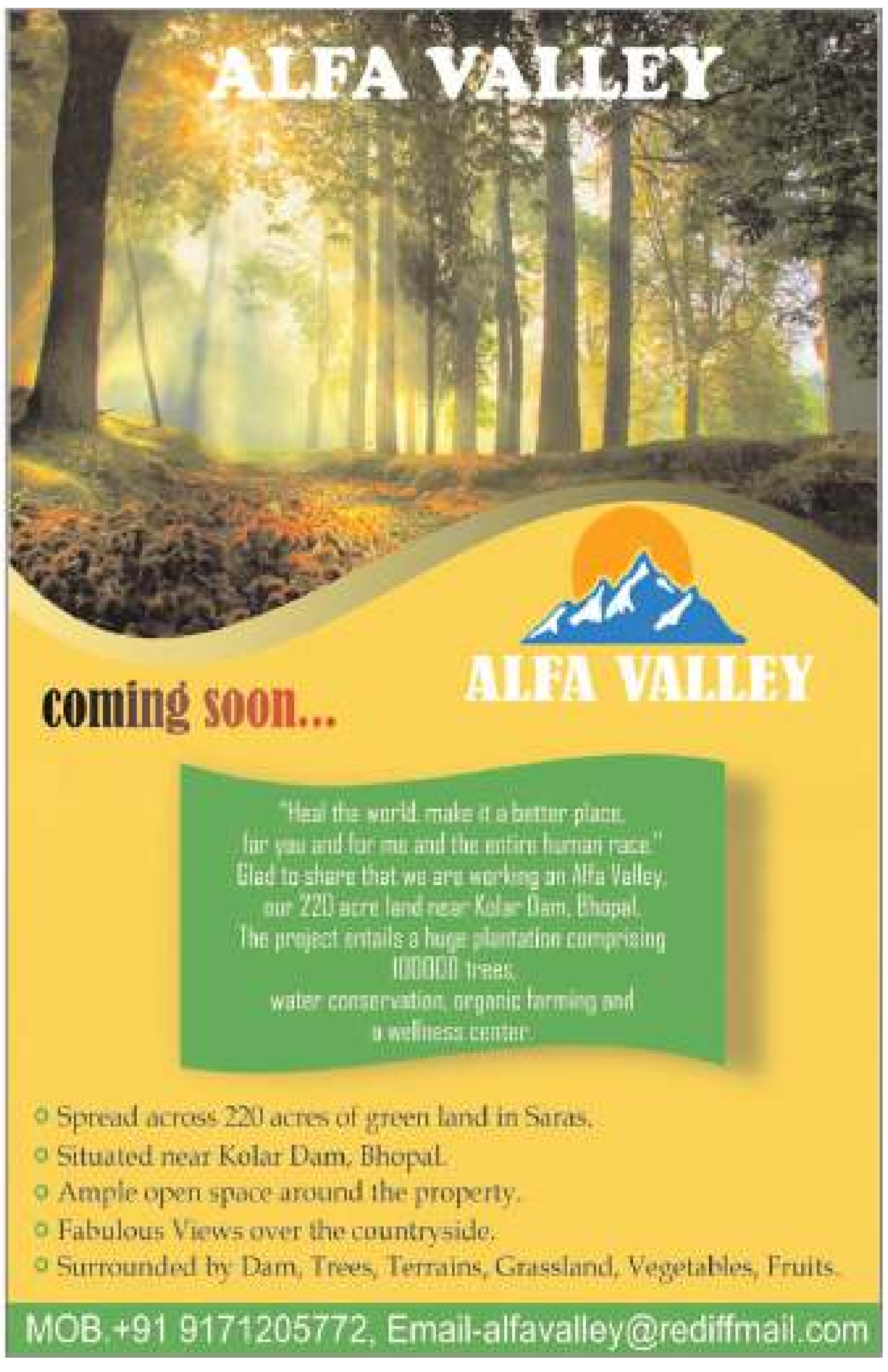

प्रकाशक एवं मुद्रक **विष्णु गोयल** द्वारा स्वामी शिवा पब्लिकेशन के लिए 1-ए, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स एबी रोड, इंदौर, मध्यप्रदेश से प्रकाशित एवं पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विस प्रा.लि. रिलायंस पेट्रोल पम्प के पीछे, सेंटर पाइंट, मांगलिया बायपास, इंदौर, मध्यप्रदेश से मुद्रित। Epaper_www.globalherald.news
प्रधान संपादक -**विष्णु गोयल,** सलाहकार संपादक- **सौरभ बैनर्जी**, प्रदेश संपादक- **दिलीप शर्मा**, स्थानीय संपादक **सत्येन्द्र जैन***(*समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार)। मोबाइल नं.:-7999509078, आर.एन.आई. नं. MPHIN/2012/41876, email- editor@nationalherald.org, डाक पंजीयन क्रमांक - **MP/IDC/1438/2016-2018**